ज्ञान विचार
ज्ञानी व्यक्ति अपने ज्ञान पर कभी घमंड नही करते है।

PKL NO.KKR/184/2022-24
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर , आप तक

गजब हरियाणा

सम्पादक : जरनैल सिंह
छायाकार : राजरानी

Contact : 91382-03233
समस्त भारत में एक साथ प्रसारित
HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 अप्रैल 2023 वर्ष : 6, अंक : 01 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया
IAS(Retd.), पूर्व उद्योग
मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd),
पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा
वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं
चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

गांव बजीदपुर में शिरोमणि गुरु रविदास धाम में लगाया गया प्रथम कीर्तन दरबार

कीर्तन दरबार में बाबा प्रीत रविदासिया टोहाना ने गुरु की वाणी का किया बखान

कहा : अहंकार पतन का कारण

इंसान अहम त्याग कर सौहार्द और भाईचारे के साथ रहे

बच्चों को करें शिक्षिय ताकि बच्चे शिक्षित होकर बने आत्मनिर्भर : डा.आर. आर. फुलिया

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली । गांव बजीदपुर गांववासियों के सहयोग से संत शिरोमणि गुरु रविदास धाम में प्रथम कीर्तन दरबार का आयोजन किया । बाबा प्रीत रविदासिया टोहाना वालों ने श्रद्धालुओं को गुरु रविदास जी महाराज की पवित्र अमृतवाणी से रूबरू कराया। उन्होंने उन्होंने गुरु की अमृतवाणी का बखान करते हुए कहा कि की आज का इंसान अहंकार में जी रहा है। जो उनके पतन का कारण है। इंसान को अहम को त्याग कर सौहार्द,आपसी भाई चारे के साथ रहना चाहिए।उन्होंने कहा कि अहंकार से परिवार, देश तबाह हो रहे हैं। हमे जीते जी अपने माता पिता का आदर करना चाहिए क्योंकि वो पहले भगवान हैं जिनकी बदौलत हम इस संसार में आए। माता पिता के मरने के बाद श्राद्ध मानने का क्या फायदा। जीते जी उनका सम्मान करें, सत्कार दें यह देखकर हमारे बच्चे तभी हमारा आदर सत्कार करेंगे। हमे अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने चाहिए। नशों से दूर रखें, उनकी शिक्षा पर जोर दें।

गुरु रविदास महाराज जी की बाणी प्रचारक बहन रीटा सोलखे ने भी गुरु रविदास जी के शब्दों से निहाल किया। कीर्तन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश सरकार के पूर्व में अतिरिक्त प्रदेश सचिव रहे रिटायर्ड आईएएस अधिकारी डॉक्टर आरआर फुलिया ने उपस्थित श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे डॉ भीमराव अंबेडकर और श्री गुरु रविदास जी के जीवन के आदर्श और संदेश को लेकर आगे बढ़े और अपने बच्चों को शिक्षित करें । जब बच्चे शिक्षित होंगे तो वह योग्य बनने के साथ आत्मनिर्भर बनेंगे। श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के प्रधान सुरज भान नरवाल ने श्री गुरु रविदास महाराज की वाणी को लेकर लगाए गए सत्संग कीर्तन पर आयोजकों को बधाई दी । आयोजकों की ओर से मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर मीडिया वेलफेयर कल्ब के प्रधान बाबूराम तुषार, सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष जरनैल सिंह रंगा, बी.टी.एफ के संरक्षक धर्मसिंह क्रांति, बी.टी.एफ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील चमारा,हरी चंद गुढ़ा,शीशपाल शाहबाद, रोशन लाल रामगढ़,कर्मबीर सिरसला, ओम प्रकाश रतनगढ़, राजेंद्र कुमार हरी नगर, प्रवीण बौद्ध लाडवा,जगमाल सिंह बहलोलपूर, सुलतान सिंह रंगा, राज भौरिया, सुभाष कटारिया, राजेश राठी हिसार, रघुबीर सिंह रंगा, तरसेम लोहारा, नरेश अजराना, कुलदीप सिंह, बिट्टू, सुभाष चंद, जोगिंद्रो देवी, बाला देवी, तोसी देवी, बबली देवी, सरोज देवी, बेअंत कौर, रविंद्र सिरसमा, सुलतान कडामी, ओम प्रकाश बजीदपुर, हुक्म चंद, बीरसिंह पंचायत समिति सदस्य, सुनील दत्त, कुलदीप सिंह, पाला राम, वीरेंद्र रॉय मौजूद रहे।

कलाकार समाज को दिशा एवं दशा निर्धारित करता है : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुवि के ललित कला विभाग में वार्षिक कला प्रदर्शनी के तहत पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कलाकार ही है जो समाज की दिशा और दशा निर्धारित करता है और उसे प्रतिबिम्बित करता है। उन्होंने कहा कि ललित कला का प्रसार समाज में बढ़ रहा है तथा इससे रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। वे मंगलवार को ललित कला विभाग के कला दीर्घा में आयोजित वार्षिक कला प्रदर्शनी के पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में और भी सृजनात्मक कार्य लगातार करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने विद्यार्थियों के अच्छे प्रदर्शन के लिए उन्हें पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया। कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने

कहा कि कलाकार अपनी चित्रकलाओं में सामाजिकता, राष्ट्रीयता, अखंड़ता एवं मनोवैज्ञानिकता के साथ-साथ अपने आंतरिक द्वंद्व को भी प्रस्तुत करता है। कलाकार की संवेदना जब सार्वभौमिक हो जाती हैं तो उसकी संवेदनाएं पूरे समाज का रूप धारण कर लेती हैं।

वार्षिक कला प्रदर्शनी में विद्यार्थियों सामाजिक मुद्दों जैसे स्वास्थ्य, पर्यावरण, शिक्षा तथा जीवन से संबंधित कल्पनात्मक तथ्यों को अपने चित्रकला, मूर्तिकला, छापाचित्रकला और व्यवसायिक कला के माध्यम से प्रदर्शित कर सबको आनंदित किया। इसमें स्नातक तथा स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को पुरस्कार प्राप्त हुऐ। इस समारोह से सभी विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया गया, जिससे वह आगे प्रदर्शनी में बढ़ चढ़कर भाग ले सकें।

इस अवसर पर डीन इंडिक स्टडीज प्रो. राम विरंजन ने सभी पुरस्कृत छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और सुन्दर व सफल भविष्य की कामना की। ललित कला विभागाध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने भी नवोदित कलाकारों की कलाकृतियों को सराहा तथा बताया कि इस वार्षिक प्रदर्शनी व प्रतियोगिता के माध्यम से कुल 48 पुरस्कार वितरित किए गए। इनमें सभी विधाओं के लगभग 350 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

समापन समारोह में डॉ. मोनिका गुप्ता, डॉ. राकेश बानी, डॉ. जया दरोंदे, डॉ. राकेश कुमार सिंह, लोक सम्पर्क विभाग के उपनिदेशक डॉ. दीपक राय बब्बर, डॉ. सपना, सुनील कुमार, चंद्रिमा दास, कुलदीप सिंह, रणधीर सिंह पठानिया, पंकज शर्मा एक्सईएन, एवं विभाग के सभी शोधार्थी और विद्यार्थी भी मौजूद रहें।

जिला स्तरीय जूनियर रेड क्रॉस प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, शांतनु शर्मा आई ए एस उपायुक्त एवं प्रधान जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के मार्गदर्शन में कार्य कर रही जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के निर्देशानुसार पांच दिवसीय जिला स्तरीय जूनियर रेड क्रॉस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन श्री कृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कुरुक्षेत्र के सभागार में आयोजित किया गया शिविर के समापन समारोह में चंद्रकांत कटारिया नगराधीश कुरुक्षेत्र द्वारा मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत की गई। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि जो भी बच्चे यहां से कुछ सीख कर जाएंगे वह उसे अपने तक सीमित न रखें और अन्य अपने सहपाठियों ,अपने गांव मोहल्लों में सबको बताएंगे। इस शिविर में 9 विद्यालयों के 88 छात्रों और 12 अध्यापकों द्वारा भाग लिया गया। 5 दिवस के अंदर बच्चों को सामाजिक बुराइयों से दूर रहने स्वास्थ्य के प्रति जागृत रहने योग अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। विभिन्न सत्र में बाहर से आए रिसोर्सेस द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए गए। डॉ सुनील कुमार सचिव जिला रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा सभी अध्यापक गण बच्चों और बाहर से आए अतिथियों का धन्यवाद किया गया। बच्चों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई इस अवसर पर डॉ दुर्गा दत्त शर्मा जिला रेड क्रॉस सोसायटी कार्यकारिणी के सदस्य गुलशन ग्रोवर, कुमारी अंजू कश्यप जिला प्रशिक्षण अधिकारी , ओमप्रकाश लिपिक , हरि सिंह, सहायक सतीश राणा, इन्वेस्टिगेटर विकास दहिया ,देवी रानी जसपाल सिंह अन्य सदस्यगण मौजूद रहे

प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन का प्रश्न

प्लास्टिक के प्रबंधन को लेकर प्रयास तो कई हुए हैं, लेकिन प्लास्टिक द्वारा पैदा होने वाले पर्यावरण संकट की तुलना में ये प्रयास पर्याप्त साबित नहीं हो रहे। केंद्र और कई राज्य सरकारों ने सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने सहित प्लास्टिक प्रबंधन के नियमों को कड़ा करने में भी रुचि दिखाई है। देखना यह है कि प्लास्टिक कचरे के जगह-जगह लगे ढेर मानवता के लिए चुनौती बने रहते हैं।

अगर शहरी कचरे का निस्तारण सही तरीके से हो, तो यह काम आसान हो सकता है। अप्रैल, 2016 में जब भारत में शहरी कचरे के निस्तारण से संबंधित कानून बना था, तो उसमें यह भी प्रावधान था कि प्लास्टिक उत्पादक छह माह की अवधि में प्लास्टिक के पुनर्चक्रण से संबंधित संयंत्रों की भी स्थापना करेंगे। बहरहाल, अब तक ऐसा कितने उत्पादकों ने किया होगा, यह सब जानते हैं। फिर प्लास्टिक के पुनर्चक्रीकरण में कुछ तकनीकी समस्याएं भी हैं। किसी चीज का बढ़ता उपयोग उसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। मगर अर्थशास्त्री ग्रेशम का यह नियम भी ध्यान रखना चाहिए कि बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है। भारत में प्लास्टिक का उपयोग बेतहाशा बढ़ने के पहले सामाजिक व सामुदायिक अवसरों पर जिन बर्तनों का उपयोग किया जाता था, वे अपशिष्ट नियंत्रण की चिंता पैदा नहीं करते थे। केवल उनका प्रबंधन करना होता था। लेकिन प्लास्टिक के साथ ऐसा नहीं है।

अनुमान के अनुसार हर साल 80 लाख टन हानिकारक प्लास्टिक समुद्र में फेक दिया जाता है, जो न केवल पारिस्थितिकी को परोक्ष रूप से नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि समुद्री जीव-जंतुओं के लिए भी जान का दुश्मन बन गया है। इसके अलावा प्लास्टिक से होने वाला 'माइक्रोस्कोपिक' प्रदूषण मिट्टी, हवा, पानी व भोजन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। लाने-ले जाने और पैकिंग में आसानी के कारण दुनिया भर में खाद्य पदार्थों को प्लास्टिक पैकिंग में देने की परंपरा बढ़ी है और यह पैकिंग उपयोगकर्ता के स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों से खिलवाड़ कर रही है। शायद यही कारण है कि अब विभिन्न देशों में इस आशय की मांग उठने लगी है कि अपने उत्पादों को प्लास्टिक पैकिंग में बेचने वाले उत्पादकों से उसका अतिरिक्त शुल्क वसूल किया जाए।

लगभग तैंतीस देशों में प्लास्टिक की विशिष्ट थैलियों पर प्रतिबंध है, पर प्रतिबंध के नियमों की पालना सुनिश्चित करने वाली एजेंसियों के ढुलमुल रवैए के कारण कानून अपना काम नहीं कर पा रहा है। फिर कुछ देशों में उत्पादकों ने प्रतिबंधित प्लास्टिक के स्थान पर विशिष्ट प्रकार से बने प्लास्टिक का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इस तरह वे कानून की पकड़ से तो बच गए हैं, प्लास्टिक के विकल्प के तौर पर प्लास्टिक ही उपयोग कर रहे हैं। विकसित देशों में बुद्धिजीवियों के एक वर्ग ने कहा कि सामान्य प्लास्टिक के स्थान पर पेड़ों से तैयार किया जाने वाला 'जैविक प्लास्टिक' अधिक पर्यावरण अनुकूल हो सकता है। लेकिन अध्ययनों में पाया गया कि कुछ मायनों में जैविक प्लास्टिक का प्रबंधन कृत्रिम प्लास्टिक से भी अधिक दुरूह और हानिकारक हो सकता है। पर्यावरण के लिए इसके अपने खतरे हैं ही।

प्लास्टिक, उत्पादों को पानी और नमी से बचाता है, वह हल्का होता है, अधिक टिकाऊ और कई विकल्पों की तुलना में अधिक सस्ता होता है। शायद यही कारण है कि बुद्धिजीवियों का एक वर्ग कहता है कि प्लास्टिक स्वयं में एक समस्या नहीं है, बल्कि उसका दुरुपयोग और उसके यथोचित प्रबंधन का अभाव समस्या है। अगर आबादी द्वारा फेंके जाने वाले कचरे का निस्तारण सही तरीके से हो और पुनर्चक्रण के लिए उपयोगी प्लास्टिक को छांट कर उसे उचित क्षेत्र तक पहुंचा दिया जाए तो प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन की चिंता से कुछ हद तक पार पाया जा सकता है। मगर दुनिया इस मामले में बहुत गंभीर दिखाई नहीं देती। इस मामले में भारत के आंकड़े आश्चर्यजनक रूप से अनेक तकनीक संपन्न देशों की तुलना में प्रभावशाली हैं।

पॉलीथिलीन टेरापथलेट नामक प्लास्टिक का उपयोग शीतल पेय बनाने वाली बोतलों के निर्माण में होता है और भारत में इन बोतलों के प्लास्टिक को नब्बे प्रतिशत की दर से पुनर्चक्रीकरण के माध्यम से काम में ले लिया जाता है, जबकि जापान जैसे देशों में यह दर 72.1 प्रतिशत, यूरोप में 48.3 प्रतिशत है। दरअसल, भारत में कचरा बीनने वालों को इन बोतलों की छंटाई से कुछ आय हो जाती है और वे गली गली में घूम कर शीतल पेय की बोतलों को एकत्र कर लेते हैं। वहां से ये बोतलें एक असंगठित तंत्र द्वारा पुनर्चक्रीकरण के लिए पहुंच जाती हैं। इनसे पालिएस्टर और डेनिम जैसे उत्पाद बनते हैं। इस दृष्टि से, साधारण से दिखने वाले कचरा बीनने वाले और कबाड़ का व्यापार करने वाले, दरअसल कथित संभ्रांतों की तुलना में पर्यावरण संरक्षण में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गर शहरी कचरे का निस्तारण सही तरीके से हो, तो यह काम आसान हो सकता है। अप्रैल, 2016 में जब भारत में शहरी कचरे के निस्तारण से संबंधित कानून बना था, तो उसमें यह भी प्रावधान था कि प्लास्टिक उत्पादक 6 माह की अवधि में प्लास्टिक के पुनर्चक्रण से संबंधित संयंत्रों की भी स्थापना करेंगे। बहरहाल, अब तक ऐसा कितने उत्पादकों ने किया होगा, सब जानते हैं। फिर प्लास्टिक के पुनर्चक्रीकरण में कुछ तकनीकी समस्याएं भी हैं। मसलन, प्लास्टिक पैकिंग में काम आने वाले तरह तरह के प्लास्टिक। इन विविध किस्म के प्लास्टिक का उपयोग उत्पाद को अलग स्तर पर सुरक्षा देने के लिए होता है। इन सबका निस्तारण एक ही तरीके से नहीं हो सकता। थर्मोप्लास्ट को पिघला कर उसकी विशेष किस्म की ईंटें बनाई जाती हैं, जिनका उपयोग सीमेंट संयंत्रों में ईंधन के तौर पर होता है। लेकिन प्लास्टिक का जलाया जाना तो हानिकारक गैसों का उत्सर्जन करेगा ही।

इन ईंटों के उपयोग को अगर हानिरहित करना हो, तो उनका उपयोग एक हजार डिग्री सेल्सियस तापमान पर करना होता है। एक अध्ययन के अनुसार भारत में ही 2017 में 65 लाख टन प्लास्टिक कचरे का उत्पादन हुआ। समुचित चेतना, दृढ़ इच्छाशक्ति और पर्याप्त साधनों के बिना इतनी बड़ी मात्रा में इस प्लास्टिक का निस्तारण संभव नहीं है। मदुरै के आर. वासुदेवन ने इस संबंध में देश और दुनिया को एक राह दिखाई है। 2001 में उन्होंने प्लास्टिक कचरे की मदद से सड़कें बनाने की एक परियोजना पर काम शुरू किया और 2006 में अपने इस काम का पेटेंट भी प्राप्त कर लिया। आर. वासुदेवन की सड़कें एक साथ दो समस्याओं का समाधान करती हैं। वे न केवल प्रबंधन का रास्ता बताती हैं, बल्कि सड़कों पर बार-बार पड़ने वाले गड्ढों की समस्या से भी आदमी और तंत्र को निजात दिलाती हैं, क्योंकि ये सड़कें जल प्रतिरोधक होती हैं और बनाए जाने के बरसों बाद भी गड्ढे नहीं पड़ते।

इस दृष्टि से वे परंपरागत कोलतार या गिट्टी-सीमेंट से बनी सड़कों की तुलना में बहुत मजबूत पाई गई हैं। निकटवर्ती देश भूटान में भी उनकी तकनीक का उपयोग कर अनेक सड़कों का निर्माण कराया गया है और इन सड़कों को गुणवत्ता की दृष्टि से बहुत टिकाऊ पाया गया है। मगर बार-बार सड़क निर्माण और सड़क मरम्मत के काम पाने वाले ठेकेदार और उनके हितैषी अफसरों के अड़ंगे के कारण यह प्रयोग अब भी देश में बहुत लोकप्रिय नहीं हो पाया है। पर यह प्रयोग देश और दुनिया को प्लास्टिक कचरे के निस्तारण की चिंता से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।

जरनैल रंगा

निराकारी जागृति मिशन के तीसरे सतगुरुदेव शहंशाह लक्ष्मण सिंह जी महाराज का पावन जन्म दिवस मनाया

जिसपे कृपा सतगुरु की होई, उसपे कृपा करे हर कोई : स्वामी ज्ञाननाथ

गुरु और शिष्य का रिश्ता अनादि काल से : सरस्वती

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकारी जागृति मिशन के परमपूजनीय तीसरे सतगुरुदेव शहंशाह लक्ष्मण सिंह जी महाराज के पावन जन्म दिवस और श्री.श्री.1008 महामंडलेश्वर शहंशाह सतगुरु स्वामी ज्ञाननाथ जी महाराज, मौजूदा गद्दीनशीन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चेयरमैन, निराकारी जागृति मिशन एंव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संत सुरक्षा मिशन भारत के गद्दीनशीन दिवस के उपलक्ष्य मे अंबाला-नारायणगढ रोड, खतौली गेट नजदीक गौशाला पर स्थित निराकारी जागृति मिशन के प्रांगण मे दो दिवसीय विशाल संत सम्मेलन और अटूट भंडारे का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर विशेष रूप से मिशन के वर्तमान गद्दीनशीन श्री.श्री.1008 महामण्डलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने सतं सम्मेलन मे पधारे सभी संत महापुरुषों को शाल- सिरोपा और स्मृति चिन्ह देकर संमानित किया। महामण्डलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज और मिशन की समस्त कार्यकारिणी ने संतो का पंडाल मे पहुंचने पर माल्यार्पण करके भव्य स्वागत किया। स्वामी जी ने दूर-दराज से आई साद-संगत को रूहानी प्रवचनो मे कहा कि-जिसपे कृपा सतगुरु की होई उसपे कृपा करे हर कोई अर्थात जो तन-मन और धन, पूर्ण मन, वचन और कर्म से समर्पण और शरणागत भाव से समय के ब्रह्मवेता सतगुरु के उपर कुर्बान होता है तो सतगुरु भी उसके उपर मेहरबान होता है और ऐसे लोग ज्ञानवान महापुरुष का लौकिक और आलौकिक जीवन मंगलमय तथा सार्थक सिद्ध हो जाता। सतगुरु असंभव को भी संभव कर देता है। स्वामी जी ने कहा कि मनुष्य जीवन मे उच्च शिक्षा और दीक्षा का होना बहुत जरुरी है। शिक्षा से लौकिक और दीक्षा से आलौकिक जीवन सार्थक सिद्ध होता है। स्वामी जी ने आह्वान किया कि बाहरमुखी अनाप-शनाप निरर्थक कर्म कांड, पाखंडवाद, स्वार्थवाद, पदार्थवाद, अलगाववाद, जाति-मजहब, धर्म, वर्ण, संप्रदाय, वेश-भूषा, खान-पान, अमीरी- गरीबी, मन और मत-मतांतरों, प्रतीक- चिन्हों के आधार पर मतभेद, अपने आप को सर्वश्रेष्ठ और दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृति को छोड़कर एक को जानो, एक को मानो, एक हो जाओ। तभी मनुष्य जीवन मे भगवत प्राप्ति और मोक्ष-मुक्ति का सपना साकार होगा।

दिघवारा (बिहार) से पूजनीय महात्मा नंदकिशोर जी महाराज, बिहार प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि समय के आतमवेता सतगुरु कि कृपा से लौकिक और आलौकिक जीवन सफल हो जाता है। पूजनीय महात्मा कानपुर शाखा प्रमुख एम.लाल ने रुहानी विचारों से साद-संगत को निहाल किया और र कहा कि भक्ति मार्ग का सार समय के ब्रह्मज्ञानी सतगुरु के आदेश-उपदेश और संदेश की बाखूबी पालना करनी है। चंडीगढ से महात्मा इंजि. हेमराज सिंह ने निज स्वरुप आत्मा के ज्ञान और ध्यान पर विशेषरूप से चर्चा की। महात्मा सतीश शाहबाद ने रूहानी विचारों मे कहा कि समय का आत्मदर्शी सतगुरु ही पृथ्वी पर जीता-जागता परमात्मा है। सतगुरु और परमात्मा मे कोई फर्क नही होता। कानपुर से ज्ञानज्योति सरस्वती ने संबोधन के कहा कि गुरु और शिष्य का रिश्ता अनादि काल से भारतीय सत्यम शिवम सुंदरम संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। गुरु शिष्य मे अटूट विश्वास और अगाध श्रद्धा होती है। जो तेरा है वह मेरा है और जो मेरा है वह तेरा है ऐसा संबध स्थापित हो जाता है। नारायणगढ से ज्ञानज्योति दर्शना ने सतगुरु ब्रह्मा, विष्णु और महेश तथा अखिल ब्रह्मांड मे विद्यमान अनेको दिव्य शक्तियों से महान बताया। कार्यक्रम मे विशेष रुप से श्री मान दाता राम, मिशन खजाना मंत्री, विजेंद्र सिंह, मिशन प्रबंक, कैप्टन तेजा के सपुत्र एडवोकेट विक्की, अशोक कुमार, कृष्ण दास महमी, मेहरचंद, मिहा सिंह रंगा एंव उनकी धर्मपत्नी स्वीटी रंगा, क्रांति टी.वी. के पत्रकार शुभम जी, राष्ट्रीय अखबार गजब हरियाणा और वर्ल्ड टी.वी. चैनल के मुख्य संपादक जरनैल सिंह रंगा जी, उत्तम हिन्दू अखबार के वरिष्ठ पत्रकार महोदय आदरणीय शिवलाल चालिया, निराकार ज्ञान ज्योति चैनल से गुरविंदर निलम, प्रेम, शिला, रशमी, सीमा, निशा,साक्षी, तातू विशेष रूप से उपस्थित रहे और भजनो तथा गुरुवाणी से संगत को निहाल किया।

संत रामकुमार दास को संतो व सगतों ने दी श्रद्धांजलि संत महापुरुष कभी नहीं मरते : संत जैनदास

संत रामकुमार दास महाराज सही मायने में सच्चे संत थे: संत गुरुपाल दास

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । गांव बिशनगढ़ में रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की छत्र छाया में ब्रह्मलीन संत रामकुमार दास जी का श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें मुख्य रूप से संत जैनदास हितकारी जी दयालगढ़ दरबार साहिब यमुनानगर, संत गुरपाल दास लाडवा दरबार साहिब, संत मान दास गोंदर , संत कोका दास बसंत पूरा रादौर, स्वामी चरण पंचकुला ने श्रद्धासुमन अर्पित किए और परिवार को सांत्वना दी। संत जैन दास हितकारी जी ने कहा कि संत महापुरुष कभी नहीं मरते हैं। संसार का नियम है कि सभी को एक दिन इस नश्वर मानव शरीर को त्यागना पड़ता है लेकिन वो सूक्ष्म रूप से संसार में ही रहते हैं बल्कि पूर्णता प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि सच्चे संतो का अलग तरह का संसार व संविधान होता है जिसके तहत वे इस धरती पर अपने दायित्व पूरे करके चले जाते हैं। जिन्हे जन्मों-जन्मांतरों तक याद रखा जाता रहेगा।

संत गुरपाल दास ने कहा कि संत रामकुमार दास महाराज सही मायने में सच्चे संत थे। बीमार होने के बावजूद भी उनका संगत से लगाव कम नहीं हुआ था। उन्होंने अंतिम समय तक संगत हित में ही अपना जीवन लगाया। स्वामी चरण ने संत रामकुमार दास जी के साथ बिताए पल संगत से सांझा किए।

गौरतलब है कि संत रामकुमार दास जी 21 मार्च 2023 को मानव शरीर त्यागकर ब्रह्मलीन हो गए थे। जिनको श्रद्धांजलि देने के लिए श्रद्धांजलि सभा की गई।संत रामकुमार दास का गुरु रविदास महाराज जी के संदेशों को उनकी वाणियों द्वारा संगत को निहाल करते थे।

श्रद्धांजलि सभा में सतबीर कोबरा,हरी चंद रंगा, मेहर दास, डॉ मिश्राम जगाधरी,अनिल कुमार खिदराबाद, मिहां सिंह रंगा, रोशन लाल, जरनैल सिंह रंगा, मान सिंह, वीरेंद्र रॉय सहित भारी संख्या में पहुंचे शुभ चिंतकों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

संजीव अंबेडकर बने भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत नौटियाल के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष सुभम थंबड ने संजीव अंबेडकर को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। सुभम थंबड ने संजीव अंबेडकर की समाज के प्रति निष्ठा, समर्पण, सौहार्द, भाई – चारा बढाने को देखते हुए उनकी नियुक्ति की। संजीव अंबेडकर ने अपनी नियुक्ति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत नौटियाल और सुभम थंबड का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा की उन्हे जो जिम्मेवारी सौंपी गई है उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा।

जन अधिकार शिक्षा मंच के धरने के 180 दिन पूरे

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । जन शिक्षा अधिकार मंच कैथल द्वारा जिला सचिवालय कैथल में लगातार जारी धरने के 180 दिन पूरे हुए। इस धरने ने शिक्षा बचाओ,स्कूल बचाओ,देश बचाओ आंदोलन को मजबूत किया है। यह धरना चिराग योजना के विरोध में, कैप्ट पोस्टों के नाम पर शिक्षकों से किए जा रहे खिलवाड़ के विरोध में, कन्या स्कूल जो बंद किए गए हैं ,उनको दोबारा खुलवाने के लिए, सुरेश द्रविड़ पर दर्ज एफआईआर रद्द करवाने के लिए तथा राजद्रोह केस वापिस करवाने के लिए तथा मुख्याध्यापक सतबीर गोयत को बहाल करवाने के लिए यह धरना जिला सचिवालय कैथल में लगातार जारी है। जहां इस धरने को काफी व्यक्तियो ने धरने पर उपस्थित रह कर सहयोग किया है वहीं आर्थिक सहयोग भी दिया है। इस धरने पर विभिन्न जातियों एवं धर्मों के बुजुर्ग एक साथ जाति और धर्म को दरकिनार कर हुक्का पी रहे है, हालांकि हुक्का पीना बहुत लोग इसको अच्छा नहीं मानते लेकिन हरियाणवी सभ्यता में यह एक मुख्य अंग रहा है। इस धरने पर साथियों के लिए चाय एवं रोटी की व्यवस्था भी की हुई है, और यह धरना दिन रात लगातार जारी है, यहां काफी बुजुर्ग रात में भी धरने पर उपस्थित रहते है। सर्दियों में ठिठुरती ठंड में, गिरते हुए तापमान में भी, बारिश और तुफान में भी यह धरना लगातार जारी है। यह धरना और भी कई मायनों में ऐतिहासिक बन गया है क्योंकि इस धरने को विभिन्न विचारधारा से संबंध रखने वाले सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक संगठन सहयोग कर रहे है, अनेक जातिय संगठन भी इस आंदोलन में सहयोग कर रहे है। कैथल जिले के किसानों के लगभग सभी संगठन तथा इस जिले के सभी शिक्षक संगठन भी इस आंदोलन में शामिल हैं।आने वाले समय में यह आंदोलन देश और दुनिया को नये आयाम देंगा। इस धरने पर विभिन्न विषयों पर समय समय पर चर्चा होती है। इस धरने पर अनेक महापुरुषों की जयंतियां भी मनाई जाती है। यह धरना अपने आप में एक जागृति की मिसाल बन गया है। धरना स्थल पर संविधान प्रदर्शनी भी लगाई जा चुकी है।

केंद्र ने एससी प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवंटित राशि का एक फीसदी से भी कम खर्च किया

द वायर स्टाफ सामाजिक न्याय और अधिकारिता पर संसदीय स्थायी समिति के समक्ष केंद्र सरकार ने जो आंकड़े रखे हैं, उनके मुताबिक़ वित्त वर्ष 2022-23 में अनुसूचित जाति के छात्रों और अन्य के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित हुए थे, लेकिन वास्तविक व्यय केवल 56 लाख रुपये किया गया।

नई दिल्ली । वित्तीय वर्ष 2022-23 के पहले नौ महीनों में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय अनुसूचित जाति के छात्रों और अन्य लोगों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के लिए अपने आवंटन का केवल 0.1 फीसदी ही खर्च कर पाया। वहीं, अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के लिए आवंटित राशि का आधे से भी कम खर्च कर सका। द हिंदू के मुताबिक, यह खुलासा उन सरकारी आंकड़ों से हुआ है जो सामाजिक न्याय और अधिकारिता पर संसदीय स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए थे।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग की 2023-24 के लिए अनुदान मांगों पर गुरुवार को संसद के दोनों सदनों में पेश अपनी रिपोर्ट में संसदीय समिति ने यह भी बताया कि पीएम-यशस्वी योजना के तहत आवंटित 1,500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का करीब 2 फीसदी ही 31 दिसंबर 2022 तक खर्च किया गया.बता दें कि पीएम-यशस्वी योजना में अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग और विमुक्त जनजाति के लिए प्री और पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

समिति ने कहा कि एससी छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के मामले में सरकार आवंटित 5,660 करोड़ रुपये में से 31 दिसंबर 2022 तक सिर्फ 2500.22 करोड़ रुपये ही खर्च कर पाई थी। इसी समयावधि में, एससी छात्रों और अन्य के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना पर वास्तविक व्यय केवल 56 लाख रुपये किया गया, जबकि आवंटित 500 करोड़ रुपये हुए थे। समिति ने कहा कि एससी छात्रों के लिए बनी योजनाओं में कम खर्च का कारण केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए बनी एक नई संवितरण प्रणाली के चलते हुई देरी थी, जिसमें राज्य के योगदान की आवश्यकता होती है। हालांकि, पीएम-यशस्वी योजना में भी आवंटित राशि का कम उपयोग देखा गया, जबकि यह 100 फीसदी केंद्र समर्थित योजना है। समिति ने साथ ही कहा, 'समिति को लगता है कि यह नई प्रणाली जिसमें राज्यों को अपना अंश पहले जारी करना होता है, उन मामलों में प्रक्रिया को धीमा कर देती है जहां विभिन्न कारणों के चलते राज्य/केंद्र शासित प्रदेश अपना अंश समय पर जारी करने की स्थिति में नहीं होते।' कई राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को अपना अंश पहले जारी नहीं करने के लिए फटकार लगाते हुए समिति ने उन छात्रों के लिए चिंता व्यक्त की जो इसके परिणाम भुगत रहे हैं और कहा, 'विभाग (सामाजिक न्याय और अधिकारिता) को इस मुद्दे को उचित स्तर उठाना चाहिए। 'सरकार ने समिति के समक्ष कहा कि प्री-मैट्रिक योजना के तहत कम व्यय का कारण यह था कि विलय योजना के रूप में 2022-23 इसके कार्यान्वयन का पहला वर्ष था, जिसके कारण राज्य और केंद्रशासित प्रदेश सरकारें समय पर अपने छात्रवृत्ति पोर्टल स्थापित नहीं कर सकीं। इससे पहले, योजना दो भागों में विभाजित थी- एक एससी छात्रों के लिए और एक एक जोखिमपूर्ण पेशे में लगे लोगों के बच्चों के लिए। इसे एक में विलय कर दिया गया और 2022-23 से लागू किया गया। नई प्रणाली के तहत, केंद्र लाभार्थी के आधार से जुड़े बैंक खाते में डीबीटी (डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर) के माध्यम से अपने हिस्से का 60 फीसदी धन भेजता है, लेकिन यह संबंधित राज्य सरकार द्वारा अपना 40 फीसदी हिस्सा जारी करने के बाद ही भेजा जाता है.सरकार ने कहा कि इसी तरह की शुरुआती समस्याएं तब देखी गईं थीं जब साल भर पहले एससी छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति को नई भुगतान प्रणाली में स्थानांतरित किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप 2021-22 में सरकार 3,415.62 करोड़ रुपये के आवंटन में से केवल 1,978.55 करोड़ रुपये ही खर्च कर सकी.संसदीय समिति ने उम्मीद जताई कि संबंधित राज्य और केंद्रशासित प्रदेश की सरकारें 'मिशन मोड' में प्री-मैट्रिक योजना के कार्यान्वयन में अपनी भूमिका निभाएंगी। समिति ने सरकार से गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूलों में भी प्री-मैट्रिक योजना को प्रचारित करने का आह्वान किया और स्कूलों में हेल्प-डेस्क स्थापित करने, स्कूलों की प्रबंधन समितियों तक पहुंचने और सुबह की सभाओं में घोषणा करने जैसे उपायों का सुझाव दिया। केंद्र ने एससी प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवंटित राशि का एक फीसदी से भी कम खर्च किया!

छात्रों का सम्मान समारोह का आयोजन 9 अप्रैल को कैथल में

कल्पना चावला मेडिकल कालेज स्थित शिव मंदिर में इंटर्नशिप समापन पर हुआ हवन

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

करनाल, 2017 बैच के एमबीबीएस विद्यार्थियों और नेशनल मेडिकोज ऑर्गनिसशन (एनएमओ) के कार्यकर्ताओं के उज्जवल भविष्य के मंगल कामना हेतु कल्पना चावला मेडिकल कालेज एनएमओ इकाई द्वारा हवन का आयोजन किया गया जिसमे गुरुजनों का आशीर्वाद भी उन्हें प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भावी डॉक्टरों द्वारा भारतीय संस्कृति की परंपरा को निभाया गया। पढाई के दौरान निरंतर एनएमओ के विभिन्न कार्यों के माध्यम से अपना चारित्रिक विकास करते हुए एक कुशल देश व समाज हित मे कार्य करने वाले चिकित्सक के रूप में तैयार होने पर उनको ईश्वर के चरणों मे अर्पित माला से सम्मानित किया गया। मेडिकल कालेज के प्रोफेसर डॉ तीर्थांकर ने बताया कि वे अपने प्रोफेशनल जीवन मे उत्तीर्ण हो यह प्रार्थना प्रभु से की गई। उन्होंने कहा कि आगे भी संगठन से जुडे रहकर वे कार्य करते रहेंगे इस आशा से कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर डॉ अशोक, डॉ गुलशन, डॉ शशांक और डॉ उत्कर्ष भी उपस्थित रहे।

डॉ भीमराव अंबेडकर बहुआयामी प्रशिक्षण संस्थान के एक ब्लॉक का उद्घाटन और दूसरे ब्लॉक का शिलान्यास होगा

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । 9 अप्रैल को बदलाव सोसायटी हरियाणा द्वारा शुगर मिल करनाल रोड के सामने राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबा फुले और भारतरत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में छात्र सम्मान एवं उद्घाटन समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें डॉ भीमराव अंबेडकर बहुआयामी प्रशिक्षण संस्थान के एक ब्लॉक का उद्घाटन और दूसरे ब्लॉक का शिलान्यास किया जाएगा। इस मौके पर छात्र 2021-2022 सेशन के होने चाहिएं। कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में 80 प्रतिशत , ग्रेजुएशन 75 प्रतिशत, पोस्ट ग्रेजुएशन 70 प्रतिशत से अधिक अंकों से पास की होनी चाहिए। एचटेट,पीएचडी, नेट, गेट, पास होना चाहिए,एमबीबीएस, आई.आई.टी कोर्सों में एडमिशन ले रखा हो, जिनकी सरकारी नौकरी में ज्वाइनिंग हुई हो उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरियाणा के पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं सेवानिवृत आईएएस डॉ आर.आर फुलिया पहुंचेंगे।

बाबू जगजीवन राम, स्वतंत्रा आंदोलन में अतुलनीय रहा योगदान (जन्मदिवस पर विशेष)

जगजीवन राम, जिन्हें बाबूजी के नाम से जाना जाता है, एक राष्ट्रीय नेता, एक स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक न्याय के योद्धा, दलित वर्गों के एक चैंपियन, एक महीन सांसद, एक सच्चे लोकतंत्रवादी, एक प्रतिष्ठित केंद्रीय मंत्री, एक सक्षम प्रशासक और एक असाधारण प्रतिभाशाली वक्ता थे। उन्होंने अपने जीवन बहुत से ऐसे काम किए जो अब शायद ही कोई और कर पाएगा। जगजीवन राम दलित वर्गों के लिए सामाजिक समानता और समान अधिकारों के हिमायती थे। उन्होंने भारत में अछूत जैसी कुप्रथा के खिलाफ आवाज उठाई थी।

कौन हैं बाबू जगजीवन राम ?

'बाबूजी' के नाम से मशहूर दलित नेता जगजीवन राम का जन्म 5 अप्रैल 1908 को बिहार में हुआ था। उन्होंने बिहार के आरा टाउन स्कूल में हाई स्कूल में पढ़ाई की, जहाँ उन्हें मदन मोहन मालवीय के साथ बातचीत करने का अवसर मिला। जगजीवन राम की बुद्धि से प्रभावित होकर मालवीय ने उन्हें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए आमंत्रित किया। मालवीय के प्रस्ताव पर कार्रवाई करते हुए, जगजीवन राम ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में इंटर साइंस की परीक्षा पास की- जहां उन्हें अपनी जाति के कारण भेदभाव का सामना करना पड़ा।

बाद में, जगजीवन राम ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बीएससी के साथ स्नातक किया। कलकत्ता विश्वविद्यालय में एक छात्र के रूप में, उन्होंने मजदूरों के लिए एक रैली का आयोजन किया था। जहां उन्हें चंद्रशेखर आजाद और मनमथ नाथ गुप्त जैसे राष्ट्रवादियों और क्रांतिकारी नेताओं के साथ बातचीत करने का अवसर मिला।

जगजीवन राम जीवनी एक नजर में

जगजीवन राम का जन्म बिहार के चंदवा में एक दलित परिवार में हुआ था। उनके पिता ब्रिटिश सेना में थे, लेकिन बाद में उन्होंने इसे छोड़ दिया और अपने पैतृक स्थान पर खेती करनी शुरु कर दी।

जगजीवन राम ने अपनी स्कूली शिक्षा पास के शहर आरा में की, जहां उन्हें 'अछूत' माना जाता था और वहां उन्हें पहली बार भेदभाव का सामना भी करना पड़ा। जगजीवन राम को स्कूल में दूसरे बर्तन से पानी पीना पड़ता था जिसका उन्होंने मटका तोड़कर विरोध किया।

1925 में, जगजीवन राम विद्वान पंडित मदन मोहन मालवीय से मिले और उनसे बहुत प्रेरित हुए। मदन मोहन मालवीय के निमंत्रण पर उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।

ज़ विश्वविद्यालय में भी जगजीवन राम को भेदभाव का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उन्होंने अन्याय के विरोध में अनुसूचित जातियों को संगठित किया और सामाजिक बहिष्कार का विरोध करने के लिए प्रेरित किया।

बीएचयू में अपने कार्यकाल के बाद, उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया जहां से उन्होंने बी.एससी. 1931 में डिग्री।

सन् 1935 में, जगजीवन राम ने अखिल भारतीय दलित वर्ग लीग के गठन में सहायता की। जिसके बाद वो कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए जहां उन्हें दलित वर्गों के एक शानदार प्रवक्ता के रूप में सराहा गया।

1935 में, उन्होंने हिंदू महासभा के एक सत्र में प्रस्तावित किया कि पीने के पानी के कुएं और मंदिर अछूत वर्ग के लिए खुले रहेंगे।

जगजीवन राम ने स्वतंत्रता आंदोलन में भी भाग लिया था। जिसमें कि भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें जेल भी जाना पड़ गया था।

जब जवाहरलाल नेहरू ने अनंतिम सरकार बनाई, तो जगजीवन राम इसके सबसे कम उम्र के मंत्री बने। आजादी के बाद उन्हें देश का पहला श्रम मंत्री भी नियुक्त किया गया था।

जगजीवन राम ने रेलवे, खाद्य और कृषि, परिवहन और संचार, सिंचाई और रक्षा सहित कई अन्य विभागों को भी संभाला था। 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान जगजीवन राम देश के रक्षा मंत्री थे।

24 जुलाई 1977 को जगजीवन राम ने भारत के उप प्रधानमंत्री पद को संभाला।

जगजीवन राम 1936 से 1986 तक संसद सदस्य रहे और यह एक विश्व रिकॉर्ड है। उनके पास भारत में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले कैबिनेट मंत्री (30 वर्ष) होने का एक और रिकॉर्ड भी है।

6 जुलाई 1986 को जगजीवन राम का निधन हो गया। जिसके बाद उनके श्मशान स्थल पर एक स्मारक बनाया जिसका नाम 'समता स्थल' है।

स्वतंत्रता आंदोलन में जगजीवन राम की भूमिका

जगजीवन राम एक छात्र के रूप में राष्ट्रवादी आंदोलन में सक्रिय थे। हालाँकि, उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के साथ-साथ दलित समाज के लिए भी बहुत से सराहनिय काम किए। 1930 के दशक में वे 1934 में बिहार भूकंप के पीड़ितों के लिए राहत शिविरों की स्थापना जैसे सामाजिक कार्यों में व्यापक रूप से शामिल थे। उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन जैसे मुख्यधारा और लोकप्रिय आंदोलनों में भाग लिया। जिन आंदोलनों में शामिल होने के कारण उन्हें दो बार जेल जाना पड़ा।

जगजीवन राम ने खेतिहार मजदूर सभा की स्थापना की जिसने किसान अधिकारों और अखिल भारतीय दलित वर्ग लीग को सुरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया। इन संगठनों के माध्यम से वे दलित वर्गों को राष्ट्रवादी आंदोलन में शामिल करना चाहते थे और सामाजिक सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व दोनों की मांग करना चाहते थे। उन्होंने इन वर्षों के दौरान एक मजबूत राजनीतिक भूमिका निभाई और भारतीय परिसीमन (हैमंड) समिति की सुनवाई में, 1935 में राम ने दलितों के लिए मतदान का अधिकार हासिल करने पर जोर दिया।

1936 में 28 साल की उम्र में जगजीवन ने चुनावी राजनीति में प्रवेश किया। 1936 में बिहार विधान परिषद के लिए मनोनीत होने के बाद, उन्होंने डिप्रेस्ड क्लासेज लीग के टिकट पर बिहार विधान सभा का चुनाव लड़ा। जिसमें की उन्हें कांग्रेस सरकार के तहत कृषि, सहकारी उद्योग और ग्राम विकास मंत्रालय में संसदीय सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। हालाँकि, 1938 में उन्होंने अंडमान के कैदियों और द्वितीय विश्व युद्ध में भारत की भागीदारी के मुद्दों पर कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।

जगजीवन राम के जीवन से जुड़े रोचक तथ्य

जगजीवन राम भारत के सबसे विपुल सांसदों में से एक थे। 1936 में 28 साल की छोटी उम्र में बिहार विधान परिषद के लिए चुने जाने के बाद, उन्होंने केंद्रीय विधानमंडल के सदस्य और उसके बाद 40 से अधिक वर्षों तक संसद के रूप में सेवा करने का गौरव प्राप्त किया।

अपने लंबे राजनीतिक जीवन के दौरान, उन्होंने विभिन्न विभागों को संभाला श्रम मंत्री (1946-52 और 1966-67); संचार (1952-56); रेलवे (1956-62); परिवहन और संचार (1962-63); खाद्य और कृषि (1967-70); रक्षा (1970-74 और 1977-79); कृषि और सिंचाई (1974-77)।

78 वर्ष की आयु में, राम का 6 जुलाई 1986 को लोकसभा सदस्य के रूप में निधन हो गया; उनके श्मशान घाट को एक स्मारक के रूप में मान्यता प्राप्त है - समता स्थल। हर साल 5 अप्रैल को भारत उनके जन्मदिन के उपलक्ष्य में 'समता दिवस' (समानता दिवस) मनाता है।

बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जीवन परिचय (14अप्रैल पर विशेष)

भारत को संविधान देने वाले महान नेता डॉ. भीम राव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव में हुआ था। डा. भीमराव अंबेडकर के पिता का नाम रामजी मालोजी सकपाल और माता का भीमाबाई था। अपने माता-पिता की चौदहवीं संतान के रूप में जन्में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जन्मजात प्रतिभा संपन्न थे। भीमराव अंबेडकर का जन्म महार जाति में हुआ था जिसे लोग अछूत और बेहद निचला वर्ग मानते थे।

बचपन में भीमराव अंबेडकर के परिवार के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। भीमराव अंबेडकर के बचपन का नाम रामजी सकपाल था. अंबेडकर के पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्य करते थे और उनके पिता ब्रिटिश भारतीय सेना की मऊ छावनी में सेवा में थे। भीमराव के पिता हमेशा ही अपने बच्चों की शिक्षा पर जोर देते थे।

आरम्भिक जीवन

भीमराव डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जी का जन्म ब्रिटिशों द्वारा केन्द्रीय प्रांत (अब मध्य प्रदेश में) में स्थापित नगर व सैन्य छावनी महू में हुआ था। वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं व अंतिम संतान थे। उनका परिवार मराठी था और वो आंबडवे गांव जो आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में है, से संबंधित था। वे हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो अछूत कहे जाते थे और उनके साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था।

भीमराव आंबेडकर के पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत थे और उनके पिता, भारतीय सेना की मऊ छावनी में सेवा में थे और यहां काम करते हुये वो सूभेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा की डिग्री प्राप्त की थी। उन्होने अपने बच्चों को स्कूल में पढने और कड़ी मेहनत करने के लिये हमेशा प्रोत्साहित किया।

रामजी आंबेडकर ने सन 1898 मे पुनर्विवाह कर लिया और परिवार के साथ मुंबई (तब बंबई) चले आये। यहाँ डॉ० भीमराव आंबेडकर एल्फिंस्टोन रोड पर स्थित गवर्नमेंट हाई स्कूल के पहले अछूत छात्र बने। पढाई में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बावजूद, छात्र भीमराव आंबेडकर लगातार अपने विरुद्ध हो रहे इस अलगाव और, भेदभाव से व्यथित रहे। सन 1907 में मैट्रिक परीक्षा पास करने के बाद भीमराव आंबेडकर ने मुंबई विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और इस तरह वो भारतीय महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले पहले अस्पृश्य बन गये।

मैट्रिक परीक्षा पास की उनकी इस बडी सफलता से उनके पूरे समाज मे एक खुशी की लहर दौड़ गयी, क्योंकि तब के समय में मैट्रिक परीक्षा पास होना बहूत बडी थी और अछूत का मैट्रिक परीक्षा पास होना तो आश्चर्यजनक एवं बहूत महत्त्वपूर्ण बडी बात थी।इसलिए मैट्रिक परीक्षा पास होने पर उनका एक सार्वजनिक समारोह में सम्मान किया गया इसी समारोह में उनके एक शिक्षक कृष्णाजी अर्जुन केलूसकर ने उन्हें अपनी लिखी हुई पुस्तक गौतम बुद्ध की जीवनी भेंट की, श्री केलूसकर, एक मराठा जाति के विद्वान थे। इस बुद्ध चरित्र को पढकर पहिली बार भीमराव बुद्ध की शिक्षाओं से ज्ञान होकर बुद्ध से बहूत प्रभावी हुए।

राजनीतिक जीवन

31 जनवरी 1920 को एक साप्ताहिक अखबार 'मूकनायक' शुरू किया। 1924 में बाबासाहेब ने दलितों को समाज में अन्य वर्गों के बराबर स्थान दिलाने के लिए बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना की। 1932 को गांधी और डॉ. अम्बेडकर के बीच एक संधि हुई जो 'पूना संधि' के नाम से जानी जाती है।

अगस्त 1936 में 'स्वतंत्र लेबर पार्टी' की स्थापना की। 1937 में डॉ. अम्बेडकर ने कोंकण क्षेत्र में पट्टेदारी को खत्म करने के लिए विधेयक पास करवाया7 भारत के आजाद होने पर डॉ. अम्बेडकर को संविधान की रचना का काम सौंपा गया।

फरवरी 1948 को अम्बेडकर ने संविधान का प्रारूप प्रस्तुत किया और जिसे 26 जनबरी 1949 को लागू किया गया। 1951 में डॉ. अम्बेडकर ने कानून मंत्री के पद से त्याग पत्र दे दिया। हिन्दी सहित सभी क्षेत्रीय भाषाओं में डॉ बी आर अम्बेडकर के कामों के व्याख्यान को उपलब्ध करा रहें हैं। डॉ अंबेडकर के जीवन के मिशन के साथ ही विभिन्न सम्मेलनों, कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों, व्याख्यान, सेमिनार, संगोष्ठी और मेलों का आयोजन। समाज के कमजोर वर्ग के लिए डॉ अंबेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार और सामाजिक परिवर्तन के लिए डॉ अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार देना।

हर साल डॉ अम्बेडकर की 14 अप्रैल को जन्मोत्सव और 6 दिसंबर पर पुण्यतिथि का आयोजन। अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के मेधावी छात्रों के बीच में पुरस्कार वितरित करने के लिए डॉ अम्बेडकर नेशनल मेरिट अवार्ड योजनाएं शुरू करना। हिन्दी भाषा में सामाजिक न्याय संदेश की एक मासिक पत्रिका का प्रकाशन। अनुसूचित जाति से संबंधित हिंसा के पीड़ितों के लिए डॉ अंबेडकर राष्ट्रीय राहत देना।

प्रमुख किताबे

हु वेअर शुद्राज ?,
दि अनरचेबल्स,
बुध्द एंड हिज धम्म,
दि प्रब्लेंम ऑफ रूपी,
थॉटस ऑन पाकिस्तान

विचार

जीवन लम्बा होने की बजाय महान होना चाहिए।

पति-पत्नी के बीच का सम्बन्ध घनिष्ट मित्रों के सम्बन्ध के सामान होना चाहिए।

हिंदू धर्म में, विवेक, कारण, और स्वतंत्र सोच के विकास के लिए कोई गुंजाइश नहीं है।

मैं किसी समुदाय की प्रगति, महिलाओं ने जो प्रगति हांसिल की है उससे मापता हूँ।

एक सफल क्रांति के लिए सिर्फ असंतोष का होना पर्याप्त नहीं है। जिसकी आवश्यकता है वो है न्याय एवं राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों में गहरी आस्था।

लोग और उनके धर्म सामाजिक मानकों द्वारा; सामजिक नैतिकता के आधार पर परखे जाने चाहिए। अगर धर्म को लोगो के भले के लिए आवशयक मान लिया जायेगा तो और किसी मानक का मतलब नहीं होगा।

हमारे पास यह स्वतंत्रता किस लिए है ? हमारे पास ये स्वतन्त्रता इसलिए है ताकि हम अपने सामाजिक व्यवस्था, जो असमानता, भेद-भाव और अन्य चीजों से भरी है, जो हमारे मौलिक अधिकारों से टकराव में है को सुधार सकें।

सागर में मिलकर अपनी पहचान खो देने वाली पानी की एक बूँद के विपरीत, इंसान जिस समाज में रहता है वहां अपनी पहचान नहीं खोता। इंसान का जीवन स्वतंत्र है। वो सिर्फ समाज के विकास के लिए नहीं पैदा हुआ है, बल्कि स्वयं के विकास के लिए पैदा हुआ है।

आज भारतीय दो अलग -अलग विचारधाराओं द्वारा शासित हो रहे हैं। उनके राजनीतिक आदर्श जो संविधान के प्रस्तावना में इंगित हैं वो स्वतंत्रता ,समानता , और भाई -चारे को स्थापित करते हैं। और उनके धर्म में समाहित सामाजिक आदर्श इससे इनकार करते हैं।

राजनीतिक अत्याचार सामाजिक अत्याचार की तुलना में कुछ भी नहीं है और एक सुधारक जो समाज को खारिज कर देता है वो सरकार को ख़ारिज कर देने वाले राजनीतिज्ञ से कहीं अधिक साहसी हैं।

अम्बेडकर जी ने अस्पृश्यता, अशिक्षा, अन्धविश्वास के साथ-साथ सामाजिक, राजनैतिक एवम आर्थिक विषमता को सबसे बड़ी बुराई रूप में प्रस्तुत किया और एक नैतिक एवम् न्यायपूर्ण आदर्श समाज के निर्माण के लिये उन्होंने स्वाधीनता, समानता और भ्रातृत्व के सूत्रों को आवश्यक बताया और उनका कड़े शब्दों में समर्थन किया।

डॉ. अम्बेडकर जी ने वर्णव्यवस्था और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ हिन्दू समाज में संघर्ष करते हुए इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि हिन्दूधर्म को सुधारा नहीं जा सकता, उसे छोड़ा जा सकता है. अतः 1956 में उन्होंने बौद्धधर्म स्वीकार किया और उनके अनुसार बौद्ध धर्म ही अधिक लोकतान्त्रिक, नैतिक एवम समतावादी है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी ने 6 दिसम्बर 1956 को अपने पार्थिव शरीर को इस संसार में छोड़ दिया। इस दिन को उनके अनुयायियों द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस रूप में देखा जाता है और उनके चिंतन पर मनन किया जाता है। मृत्यु ः 6 दिसंबर 1956 को लगभग 63 साल की उम्र में उनका देहांत हो गया।

अमृतवाणी

संत शिरोमणि गुरु रविदास जिओ की

रविदास दास उदास तजु भ्रमु तपन तपु गुरु गियान ।। भगत जन भै हरन परमानंद करहु निधान ।।

जय गुरुदेव जी

व्याख्या-श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि जो जीव इस संसार में तपो में से श्रेष्ठ तप गुरु का ज्ञान प्राप्त कर लेता है वह विषय विकारों से मुक्त हो जाता है ।उसकी मति संसार की और से उपराम हो जाती है । उसके भ्रम का नाश हो जाता है ।प्रभु अपने भक्तों के डर का नाश करने वाला है ।हे परमानंद प्रभु जी आप इस संसार में जीवों के विकारों और जन्म मरण के चक्कर का अंत करो जी ।
धन गुरुदेव जी

नरों में सीह, वह नरसिंह कौन था ?

फाल्गुनी पूर्णिमा पर गौरवशाली नरसीह – गाथा

गृहत्याग के सात साल बाद फाल्गुनी पूर्णिमा (पालि= फग्गुन मासो पुन्नमि) पर जब भगवान बुद्ध कपिलवस्तु पधारे थे. महल के झरोखे से राहुल ने भिक्षु संघ के आगे चल रहे कांतिमय, ओजस्वी व सुंदर श्रमण के बारे में जानना चाहा कि क्या यही मेरे पिता है ? तो माता यशोधरा ने राहुल को बत्तीस लक्षणा बुद्ध के गुणों का बखान करते हुए यूं परिचय दिया था। इन नौ गाथाओं को %नरसीह गाथा% के नाम से गौरव से गाया जाता है-

चक्क वरंकित रत्त-सुपादो,
लक्खण मण्डित आयत पण्हि ।
चामर छत्त विभूसित पादो,
एस हि तुम्ह पिता नरसीहो ॥1॥

जिनके रक्तवर्ण चरण चक्र से अलंकृत हैं, जिनकी लंबी एड़ी शुभ लक्षण वाली है, जिनके चरण पर चंवर तथा छत्र अंकित हैं, जो नरों में सिंह हैं, यही तेरे पिता हैं ॥1॥

सक्य कुमार वरो सुखुमालो,
लक्खण चित्तिक पुण्ण सरीरो।
लोक हिताय गतो नरवीरो,
एस हि तुम्ह पिता नरसीहो ॥2॥

जो कुमार श्रेष्ठ शाक्य सुकुमार हैं, जिनका संपूर्ण शरीर सुंदर लक्षणों से चित्रित है, नरों में वीर, जिन्होंने लोक-हित के लिए गृह-त्याग किया है; जो नरों में सिंह हैं, यही तेरे पिता हैं ॥2॥

पुण्ण ससंक निभो मुखवण्णो,
देवनरान पियो नरनागो।
मत्त गजिन्द विलासित गामी,
एस हि तुम्ह पिता नरसीहो ॥3॥

जिनका मुख पूर्ण चंद्र के समान प्रकाशित है, जो नरों में हाथी के समान हैं. सभी देवताओं और नरों के प्रिय हैं, जिनकी चाल मस्त गजेंद्र की सी है; जो नरों में सिंह हैं, यही तेरे पिता हैं ॥3॥

खत्तिय सम्भव अग्ग कुलीनो,
देव मनुस्स नमस्सित पादो।
सील समाधि पतिहित चित्तो,
एस हि तुम्ह पिता नरसीहो ॥4॥

जो अग्र क्षत्रिय कुलोत्पन्न हैं, जिनके चरणों की सभी देव और मनुष्य वंदना करते हैं, जिनका चित्त शील-समाधि में सुप्रतिष्ठित है; जो नरों में सिंह हैं, यही तेरे पिता हैं ॥4॥

आयत युत्त सुसण्ठित नासो,
गोपखुमो अभिनील सुनेत्तो।
इन्दधनु अभिनील भमूको,
एस हि तुम्ह पिता नरसीहो ॥5॥

जिनकी नासिका चौड़ी तथा सुडौल है, बछिया की सी जिनकी बरौनियाँ हैं, जिनके नेत्र सुनील वर्ण हैं, जिनकी भौहें इन्द्र धनुष के समान हैं, जो नरों में सिंह हैं, यही तेरे पिता हैं ॥5॥

वसुबट्ट सुसण्ठित गीवो,
सीहहनु मिगराज सरीरो।
कञ्चन सुच्छवि उत्तम वण्णो,
एस हि तुम्ह पिता नरसीहो ॥6॥

जिनकी ग्रीवा गोलाकार है, सुगठित है, ठोड़ी सिंह के समान है तथा जिनका शरीर मृगराज के समान है, जिनका वर्ण सुवर्ण के समान उत्तम है; जो नरों में सिंह हैं, यही तेरे पिता हैं ॥6॥

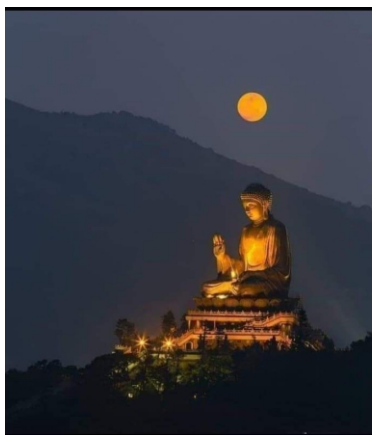

सिनिद्ध सुगम्भीर मञ्जु सुघोसो,
हिङ्गुलबद्ध सुरत्त सुजिव्हो।
वीसति वीसति सेत सुदन्तो,
एस हि तुम्ह पिता नरसीहो ॥7॥

जिनकी वाणी स्निग्ध, गंभीर, सुंदर है; जिनकी जिह्वा सिंदूर के समान रक्त-वर्ण है, जिनके मुँह में श्वेत वर्ण के बीस-बीस दांत हैं; जो नरों में सिंह हैं, यही तेरे पिता हैं ॥7॥

अञ्जन वण्ण सुनील सुकेसो,
कञ्चन पट्ट विसुद्ध नलाटो।
ओसधि पण्डर सुद्ध सुउण्णो,
एस हि तुव्ह पिता नरसीहो ॥8॥

जिनके केश सुरमे के समान नीलवर्ण हैं, ललाट स्वर्ण के समान विशुद्ध है, जिनके भौंहों के बीच के बाल औषधि तारे के समान हल्का पीला है, जो नरों में सिंह हैं, यही तेरे पिता हैं ॥8॥

गच्छति नीलपथे विय चन्दो,
तारगणा परिवेठित रूपो।
सावक मज्झगतो समणिन्दो,
एस हि तुम्ह पिता नरसीहो ॥9॥

जो आकाश में चन्द्रमा की भांति बढ़े जा रहे हैं, जो श्रमणों में श्रेष्ठ श्रमणेन्द्र है और श्रमण भिक्खुओं से उसी प्रकार घिरे हुए हैं जैसे चंद्रमा तारों से. जो नरों में सिंह हैं, यही तेरे पिता हैं ॥9॥

गौतम बुद्ध के गौरवशाली सौ नामों में से एक नाम 'नरसिह' भी है। बुद्ध को 'सिह' और बुद्ध वाणी को 'सिंहनाद' भी कहा गया है। सिंह जो विशाल जंगल में निडर अकेला विचरण करता है। सिंह के इसी प्रतीक को सम्राट अशोक ने सारनाथ के विशाल स्तम्भ के शिखर पर बनवाया जो आज हमारा राष्ट्रीय चिन्ह है। सिंह के कारण ही सिरीलंका 'सिंहल देश' कहलाता था। कालांतर में बुद्ध अनुयायी शासकों में राजगद्दी को 'सिंहासन' और अपने नाम के साथ 'सिंह' लगाने का गौरव भी चला।

नरों में यह श्रेष्ठ नर बुद्ध 'नरसिंह' शारीरिक रूप से एक मनुष्य की तरह ही था लेकिन इस गौरवशाली प्रतीक को बाद में हड़प कर, विकृत कर दिया और आधा मनुष्य और आधा सिंह का बना कर अवतार के रुप में प्रचारित किया गया।

सबका मंगल हो.....सभी प्राणी सुखी हो

प्रस्तुति:डॉ. एम एल परिहार, जयपुर,
9414242059

तस्वीर

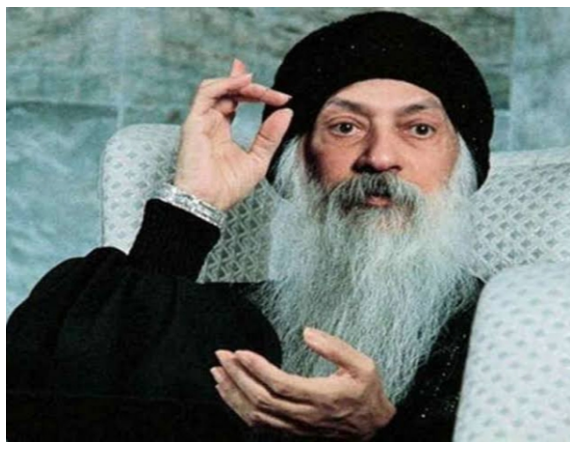

जीसस ने कहा है : आंखें हों तो देख लो, कान हों तो सुन लो। आंखें तो सभी के पास हैं और कान भी सभी के पास हैं और निश्चित ही जीसस अंधों और बहरों से नहीं बोल रहे थे, ठीक तुम जैसे लोगों से बोल रहे थे,ऐसी ही उनकी आंखों थीं, ऐसे ही उनके कान थे। लेकिन आंख होने से ही देखना सुनिश्चित नहीं है। और कान होने से ही सुनना अनिवार्य नहीं है। आंखें रहते-रहते भी कोई चूक जाता है। कान रहते-रहते भी कोई चूक जाता है। क्योंकि एक और भी सुनने का ढंग है, और भी देखने का ढंग है, वही ढंग सारे धर्मों का सार है।

तुम्हारे घर में आग लग गयी है और बाजार में तुम्हें किसीने कहा हो कि घर में आग लग गयी, तुम यहां क्या कर रहे हो ? भागोगे तुम घर की तरफ। राह पर चलते हुए लोग तुम्हें अब भी दिखायी पडेंगे, कोई रास्ते में नमस्कार करेगा तो अब भी दिखायी पडेगा, तुम अंधे नहीं हो गए हो, लेकिन फिर भी कुछ दिखायी न पडेगा। जिसके घर में आग लगी हो, उसे राह पर चलते लोग दिखायी नहीं पडते। कोई नमस्कार करेगा, सुनायी नहीं पडेगा। और कल अगर कोई याद दिलाएगा कि राह पर मिला था, नमस्कार की थी, आपने उत्तर भी न दिया, तो तुम क्षमा मांगोगे, तुम कहोगे, क्षमा करना, उस क्षण मैं होश में नहीं था।

तो इसका अर्थ हुआ: होश से देखा जाए तो ही दिखाई पडता है। बेहोशी से देखा जाए तो दिखायी नहीं पडता। होश से सुना जाए तो सुनायी पडता है। होश से जीया जाए तो जीवन परमात्मा हो जाता है। और बेहोशी में जीया जाए तो पत्थरों के अतिरिक्त यहां कुछ, हाथ न लगेगा। और हम सब बेहोश जी रहे हैं। हम ऐसे जी रहे हैं जैसे कोई नींद में चले। हम ऐसे जी रहे हैं जैसे कोई शराब पीए हुए चले।

हमारा जीवन जाग्रत जीवन नहीं है। इसीलिए दरिया तो कहते हैं कि मैं शब्द निर्वाण के कह रहा हूं, मगर तुम सुनोगे या नहीं, सब कुछ तुम पर निर्भर है।

चिकित्सक हो, औषधि हो, लेकिन बीमार दवा पीए ही न ! निदान हो जाए, औषधि खोज ली जाए, इतने से ही तो कुछ न होगा। निदान तो हो चुका, बहुत बार हो चुका, आदमी की बीमारी जानी-पहचानी है, सदियों-सदियों में एक ही बीमारी से तो आदमी परेशान रहा, मूर्च्छा की बीमारी; प्रमाद की बीमारी; बेहोशी की बीमारी। नाम अलग-अलग सदगुरुओं ने अलग-अलग दिए हों भला, पर बीमारी एक है। और औषधि भी एक है। औषधि की सदियों-सदियों से ज्ञात है : जाओ !

मगर या तो तुम भोगते हो, या भागते हो, जागते कभी नहीं। भोगने वाला भी डूबा रहता और भागने वाला भी डूबा रहता। भोगी और त्यागी में बहुत भेद नहीं है, एक ही तरह के लोग हैं। एक संसार की तरह मुंह करके भाग रहा है, एक संसार की तरफ पीठ करके भाग रहा है, मगर दोनों भाग रहे हैं, जाग कोई भी नहीं रहा है। और जागने वाला सुन पाता है। और जो जाग लेता है, उसके प्राणों में अनाहत का नाद उठता है, उसके प्राणों में कृष्ण की बांसुरी बजती है, उसके प्राणों में कुरान की आयतों का जन्म होता है, उसके शब्द-शब्द भगवदगीता हो जाते है। जो जानता है, वह यह भी जान लेता है कि मैं और परमात्मा दो नहीं, अनलहक का उदघोष होता है।

पश्चिम में नयी-नयी एक खोज है, होलोग्राम। समझने जैसी खोज है। तुम अगर किसी के चार टुकडे करो, तो तस्वीर चार टुकडों में बंट जाएंगी। होलोग्राम एक नयी तस्वीर की कला है। लेसर किरणों से होलोग्राम की तस्वीर उतारी जाती है। जैसे तुमने एक गुलाब के फूल पर लेसर किरणें फेंकीं और उसकी तस्वीर उतार ली। यह तस्वीर बड़ी अनूठी होती है। इसका अनूठापन इतना चमत्कारी है कि अगर तुम इसे समझ लो तो तुम्हें उपनिषदों का महावाक्य, तत्वमसि श्वेतकेतु, समझ में आ जाए। तुम्हें मसूर की वह उदघोषणा, अनलहक, मैं ईश्वर हूं, यह समझ में आ जाए। विज्ञान ने पहली बार तत्वमसि के लिए समर्थन दिया है।

होलोग्राम से उतारी गयी तस्वीर की कई खूबियां हैं

पहली खूबी। जब लेसर किरणें गुलाब के फूल पर फेंकीं जाती हैं और तस्वीर उतारी जाती है, तो तस्वीर में फिल्म पर गुलाब नहीं आता, सिर्फ गुलाब के आसपास नाचती हुई लेसर किरणों की तरंगें आती है, गुलाब नहीं आता ! जैसे तुम झील में पत्थर फेंको और झील में तरंगें उठें और फिर तुम तस्वीर उतारो, तो पत्थर की तो कोई तस्वीर आएगी नहीं, पत्थर तो कभी का जाकर झील की तलहटी में बैठ गया, लेकिन लहरों पर उठती हुई वर्तुलकार तरंगें, उनकी तस्वीर आएगी। ऐसे ही लेसर किरणें जब किसी भी विषय पर फेंकीं जाती हैं, तो विषय की तो पकड नहीं आती फिल्म में, लेकिन विषय के चारों तरफ उठती हुई वर्तुलकार तरंगों का चित्र आता है। मगर यह चित्र बडा अनूठा है। अगर इस चित्र में से फिर लेसर किरणों को डालों तो परदे पर गुलाब का फूल आता है।और भी खूबी की बात है, अगर इस फिल्म को तुम दो टुकडों में तोड दो तो भी कोई फर्क नहीं पडता, हर टुकडे के द्वारा पूरा गुलाब का फूल परदे पर आता है। चार टुकडे में तोड दो तो भी कोई फर्क नहीं पडता, हर टुकडे के द्वारा गुलाब का पूरा फूल ही परदे पर आता है। तुम इसे हजार टुकडों में तोड दो तो भी कोई फर्क नहीं पडता। जितने छोटे खंड कर सको, कर लो, मगर हर छोटे खंड से पूरा गुलाब का फूल परदे पर आता है।

यह तो बडी आश्चर्यजनक खोज है। इसका अर्थ हुआ कि अब तक का सारा गणित गलत हो गया। पुराना गणित कहता है-अंश कभी अंशी के बराबर नहीं होता। कैसे होगा ? अंश छोटा होगा अंशी से, खंड छोटा होगा अखंड से। मगर होलोग्राम कहता है-खंड अखंड के बराबर होता है। अंश अंशी के बराबर होता है। दिखायी कितना ही छोटा पडता हो, लेकिन इसमें पूर्ण समाया होता है। बूंद में सागर समाया है। बीज में वृक्ष समाया है। एक छोटे से अणु में सारा ब्रह्मांड समाया है। यही तो उदघोषणा है उपनिषदों की। तत्वमसि। मैं वही हूं। तुम वही हो।

तुममें और परमात्मा में कोई गुणात्मक भेद नहीं है। तुम उसकी ही छोटी तस्वीर लेकिन तुममें परमात्मा पूरा का पूरा है, जितना कि पूरे अस्तित्व में है, उसमें जरा भी कम नहीं है।

ओशो
प्रभु की पगडंडियां

साहित्यकार विजय विभोर जी की स्वरचित लघुकथा

शगुन

अरे यार ! शादियों के सीजन ने तो जान निकाल कर रख दी। रामेश्वर ने शगुन के लिफाफे पर नाम लिखते हुए कहा।

इस महीने शादियों का बड़ा तगडा साहा है एक-एक दिन में पाँच-पाँच, दस-दस शादियों के निमंत्रण आ जाते है। रामेश्वर के घर भी आज तीन शादियों के निमंत्रण आए हुए थे। सभी अजीज थे इसलिए सबके यहाँ जाना भी मजबूरी था। क्यूंकि तीनों ही निमंत्रण लडकी वालों की तरफ से थे। लडके वालों की तरफ से होते तो कोई बहाना बनाकर टाल भी देते।

सच कहते हो पूरा बजट हिल गया, शादी किसी और के घर होती हैं रुपयों की होली हमारे घर जल जाती है। अब एक ड्रैस से ज्यादा-से-ज्यादा दो शादियाँ ही निपटाई जा सकती हैं। तैयार होते हुए शर्मीली ने अपने पति की हाँ में हाँ मिलाई।''

'अच्छा ! ये बताओ, शगुन के कितने-कितने रूपये डाल दूँ ?'

'आप मुझे लिफाफों पर लिखे नाम बतलाते जाओ मैं आपको बताती हूँ किसे कितना शगुन देना है ?'

'गुप्ता जी।'

'गुप्ता जी !.... वही जो प्रोफेसर साहब हैं ?..... इनके यहाँ तो ग्यारह सौ डाल दो। बडा महंगे वाला कार्ड और मिठाई का डिब्बा पहले ही दे गए थे।'

'शर्मा जी।'

'इनके यहाँ भी ग्यारह सौ ही डालने पडेंगे।' अपने चिंटू के जन्मदिन पर महंगे वाला गिफ्ट लाए थे। उनके स्टेटस का कुछ तो ख्याल रखना पडेगा।'

'माली भीम सिंह की लडकी की शादी का कार्ड भी आया हुआ है।'

'कब की है... ?' बिना किसी खुशी को जाहिर किए

शर्मिली बोली।

'उसके यहाँ भी आज की शादी है। मैं तो बताना ही भूल ही गया था..... (अपना बचाव सा करते हुए रामेश्वर कह रहा था।) .....उसका घर रस्ते में ही पड़ता है। भीम सिंह ने कार्यक्रम घर पर ही रखा हुआ है।'

'एक सौ एक डाल दो। दो मिनिट के लिए उसके यहाँ भी रुक लेंगे।' शर्मीली ने बुरा-सा मुँह बनाते हुए कहा।''

रामेश्वर सोचने लगा शर्मीली भी कितनी भोली है। कन्या दान का अर्थ होता है जो साधनहीन व्यक्ति अपनी बेटी की शादी कर रहा है उसकी थोडी-सी मदद कर दी जाए। लेकिन आजकल उल्टा ही रिवाज चल पडा है, जिस आदमी की मदद करनी चाहिए उसके यहाँ कम शगुन डालते हैं और जिनके यहाँ भगवान का दिया सब कुछ है उनके यहाँ..... उसने चुपके से भीम सिंह के लिफाफे में भी ग्यारह सौ का शगुन रख लिया।

विजय 'विभोर' रोहतक

पंडित और मूर्ख

श्रावस्ती के दो युवकों में बड़ी प्रगाढ़ मैत्री थी, दोनों ही दूसरों की जेब काटने का धंधा करते थे। एक दिन भगवान बुद्ध का एक स्थान पर प्रवचन चल रहा था। अच्छा अवसर जानकर दोनों मित्र वहीं जा पहुँचे।

उनमें से एक को भगवान बुद्ध के प्रवचन बहुत अच्छे लगे और वह ध्यानावस्थित होकर उन्हें सुनने लगा। दूसरे ने कई जेबें इस बीच साफ कर लीं। शाम को दोनों घर लौटे। एक के पास धन था, दूसरे के पास सद्विचार।

गिरहकट.ने व्यंग्य करते हुए कहा, 'तू बड़ा मूर्ख है रे, जो दूसरों की बातों से प्रभावित हो गया। अब इस पांडित्य का ही भोजन पका और पेट भर।' अपने पूर्व कृत-कर्मों से दुःखी दूसरा गिरहकट बुद्ध के पास लौटा और उनसे सब हाल कहा।

बुद्ध ने समझाया-'वत्स ! जो अपनी बुराइयों को मानकर उन्हें निकालने का प्रयत्न करता है वही सच्चा पंडित है, पर जो बुराई करता हुआ भी पंडित बनता है वही मूर्ख है।

मेरे बूथ का पन्ना प्रमुख मेरे देश को बदलेगा: डॉ पवन सैनी

पिपली अनाज मंडी धर्मशाला में पिपली मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, लाडवा विधानसभा के 2 अप्रैल को होने वाले पन्ना प्रमुख सम्मेलन को लेकर आज हरियाणा भाजपा के प्रदेश महामंत्री डॉ पवन सैनी में पिपली धर्मशाला में पन्ना प्रमुख, त्रिदेव, शक्तिकेंद्र प्रमुख,पालक, मंडल, जिला व प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री डॉ पवन सैनी ने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है सरकार बनने का श्रेय देते हुए उन्होंने कहा कि अपने अपने बूथ पर भारतीय जनता पार्टी का पन्ना प्रमुख पूरी शक्ति के साथ खड़ा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहा कि विपक्ष जहां अभी तक अपने जिले और प्रदेश की कार्यकारिणी का गठन नहीं कर पाया है वहीं भारतीय जनता पार्टी ने अपने पन्ने से लेकर प्रदेश तक सभी कार्यकर्ताओं की एक फौज प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड जी के नेतृत्व में खड़ी कर दी है यही कार्यकर्ता प्रदेश में फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाकर एक नया इतिहास रचने का काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अंत्योदय उत्थान की योजना से आम नागरिक का सामाजिक, आर्थिक स्तर बेहतर किया है। कार्यकर्ताओं की मेहनत के बूते पर ही विश्व के सबसे बडे राजनीतिक दल के तौर पर भारतीय जनता पार्टी पर स्थापित हुई है। आप जैसे जिम्मेदार व कर्मठ कार्यकर्ताओं के कारण संगठन का देश, प्रदेश में गुणात्मक विस्तार हुआ है। हमारे लिए गर्व की बात है कि हम सभी देश, समाज को मजबूत बनाने के लक्ष्य पर काम कर रहे हैं और यही अंतर अन्य राजनीतिक दलों पर भाजपा को श्रेष्ठ बनाती है। प्रदेश महामंत्री डॉ पवन सैनी ने कहा कि आज संगठन द्वारा मुझे चुना गया है तो कल आप में से ही किसी कार्यकर्ता को यह दायित्व मिलने वाला है। इसलिए संगठन द्वारा जो भी होमवर्क दिया जाता है, उसे गंभीरता से लें तथा उसके अनुरूप आगामी कदम उठाएं। जो कार्यकर्ता सही दिशा में काम करता है, उसे कोई न कोई आंख देख रही होती है। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, मंडल महामंत्री नरेंद्र कुमार, धर्मबीर कडामी, सतवीर मथाना, चौधरी कलीराम, गुरु दत्त शर्मा, सरदार हरमेश सिंह, विजय कंबोज, महिला मोर्चा से परमजीत कौर कश्यप, भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ कार्यकर्ता शकुंतला शर्मा सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्रिप्टोकरैंसी के नाम पर धोखाधडी करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला पुलिस कुरुक्षेत्र ने क्रिप्टोकरैंसी के नाम पर धोखाधडी करने के तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार ।स्पैशल डिटेक्टिव यूनिट कुरुक्षेत्र की टीम ने क्रिप्टोकरैंसी के नाम पर धोखाधडी करने के आरोप में प्रदीप पुत्र अनुपाल वासी पन्ना बापौडा जिला भिवानी, मलकीत सिंह पुत्र कृपाल सिंह वासी लण्डा थाना साहा जिला अम्बाला व वैभव गर्ग पुत्र अशोक कुमार गर्ग वासी मोदीनगर जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की ।

जानकारी देते हुये पुलिस प्रवक्ता नरेश कुमार सागवाल ने बताया कि दिनांक 21 सितम्बर 2022 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय कुरुक्षेत्र में दी अपनी शिकायत में आदित्य बहल पुत्र राजेश बहल वासी गुरुद्वारा रोड पेहवा ने बताया कि तीथर वर्ल्ड नामक एक कम्पनी है जिसका नाम अब बदलकर डालफिन इंटरनैशनल कर दिया है ।इस कम्पनी का एमडी मुख्य प्रबंधक प्रदीप तंवर है तथा मलकीत सिंह, हरीओम राणा, राहुल राणा इस कम्पनी में पार्टनर है । यह कम्पनी क्रिप्टो ट्रेडिंग और फोर एक्स ट्रेडिंग करती है और इसका ऑफिस जयपुर मे स्थित हैं । शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी प्रदीप तंवर ने उससे कहा कि आप किसी भी दोस्त या रिस्तेदार का पैसा लगाओगे तो आपकी राशि 120 दिन में दोगुनी हो जायेगी । इनकी बातो में आकर उसने और उसके कई साथियों ने इनके कहे अनुसार काम करना शुरू कर दिया और कम्पनी में लाखो रूपये लगा दिए । करीब 20 दिन तक कम्पनी से किसी को कोई पैसा नहीं मिला, पैसा न मिलने पर उन्होने एमडी से बात की तो वह कम्पनी में सॉफटवेयर की अपडेशन का आश्वासन देता रहा ।आरोपियों ने उनको बताया कि 15 सितम्बर 2022 को ट्रस्ट वोलेट पर आपके लोगों का पेय ऑउट कर दिया जायेगा ।15 तारीख को लोगों को फर्जी टोकन दिए गये जिनकी वैल्यू जीरो है। जब उन्होने कम्पनी के अधिकारियों से सम्पर्क करने की कोशिश की तो उनका फोन बन्द पाया गया ।जिसकी शिकायत पर थाना शहर पेहवा में मामला दर्ज करके जांच उप निरीक्षक पूर्ण दास को सौंपी गई । बाद में मामले की जांच स्पैशल डिटेक्टिव यूनिट कुरुक्षेत्र को सौंपी गई ।

स्पैशल डिटेक्टिव यूनिट कुरुक्षेत्र प्रभारी उप निरीक्षक रेशम सिंह के मार्ग निर्देश में सहायक उप निरीक्षक शमशेर सिंह की टीम ने मामले में कारवाई करते हुये क्रिप्टोकरैंसी के नाम पर धोखाधडी करने के आरोप में प्रदीप पुत्र अनुपाल वासी पन्ना बापौडा जिला भिवानी, मलकीत सिंह पुत्र कृपाल सिंह वासी लण्डा थाना साहा जिला अम्बाला व वैभव गर्ग पुत्र अशोक कुमार गर्ग वासी मोदीनगर जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस टीम ने आरोपी प्रदीप कुमार से 3 लाख 50 हजार रुपये तथा आरोपी मलकीत से 40 हजार रुपये बरामद किये गये । आरोपियों को माननीय अदालत में पेश किया गया ।

02 लाख रुपये में तैयार की थी वैभव ने वैबसाईट

जानकारी देते स्पैशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी उप निरीक्षक रेशम सिंह ने बताया कि आरोपियों ने वैभव गर्ग पुत्र अशोक कुमार गर्ग वासी मोदीनगर जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से 02 लाख रुपये में तीरथ वर्ल्ड डोट नेट नाम की वैबसाईट तैयार करवाई थी । बाद में इस वैबसाईट का नाम बदलकर डालफिन इंटरनैशनल डोट नेट कर दिया गया । आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेकर मामले में पूछताछ की जा रही है ।

राजकीय कल्याणकारी नीतियों के मध्यनजर रखते हुए ग्राम/वार्ड प्रहरी के रूप मे पुलिस की एक नई पहल

एसपी मकसूद अहमद के नेतृत्व मे पुलिस का आम जनता के साथ बेहतर तालमेल व अपराध पर अंकुश लगाने के लिए ग्राम/वार्ड प्रहरी किए गये नियुक्त

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल, पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक मकसूद अहमद द्वारा हरियाणा पुलिस महानिदेशक के निर्देशानुसार राजकीय कल्याणकारी नीतियों को मध्यनजर रखते हुए जिला कैथल के सभी थाना/चौकियों के क्षेत्रों में स्थित 277 गांव व 102 वार्डो में 293 ग्राम प्रहरी के पुलिस कर्मचारी और 48 सहायक प्रहरी के पुलिस कर्मचारी नियुक्त किए है। जिनके पास गांव/वार्ड का प्रहरी रजिस्ट्रर होगा। जिसके करीब 20 भाग होगे जिसमे गांव/वार्ड की जनसंख्या जिसमे पुरुष, स्त्री, बच्चे, नौजवान, वरिष्ठ नागरिक, गांव में मकानों की संख्या, गांव की थाना से दूरी, क्षेत्रफल, गांव/वार्ड के सरपंच / पार्षद, मेंबर पंचायत, नम्बरदार, चौकीदार, आशा वर्कर, प्रमुख व्यक्तियों के नाम, गाँव में चल रहे शैक्षणिक/गैर शैक्षणिक संस्थान, अखाड़े व होस्टल इत्यादि की गतिविधियों के सम्बन्ध में भी रिकार्ड तैयार किया जाएगा। ग्राम / वार्ड प्रहरी द्वारा उसके क्षेत्र में निजी/सार्वजनिक स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों का भी विवरण अपने पास रखेंगे ताकि आवश्यकता पडने पर तुरन्त सीसीटीवी फुटेज एकत्रित की जा सके।

इसके अतिरिक्त संबंधित ग्राम / वार्ड प्रहरी द्वारा उसके क्षेत्र में आमजन को सीसीटीवी कैमरा की महत्वता के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। गांव/वार्ड में नशा तस्कर जैसे अवैध शराब, स्मैक, गांजा, चरस, अफीम, हेरोईन आदि के बारे में जानकारी एकत्रित करेगे। इसके साथ ही गांव / वार्ड में रहने वाले वे असामाजिक तत्व जो अत्याधिक मात्रा में नशीले पदार्थों का सेवन करके लडाई झगडा कर शांति भंग करते है उनका भी रिकॉर्ड रखेगे। ग्राम/वार्ड प्रहरियों द्वारा वहां रहने वाले आपराधिक किस्म के व्यक्तियों का रिकॉर्ड अपराध की प्रकृति के आधार पर तैयार किया जाएगा। गाँव / वार्ड में रहने वाले ऐसे व्यक्ति जो आपस में गुटबाजी बनाकर कानून एवं व्यवस्था को खराब करने की स्थिति उत्पन्न करते हैं, उनका एक अलग से रिकॉर्ड रखा जाएगा। गांव/वार्ड में रहने वाले आवारा किस्म के ऐसे शरारती तत्व जो किसी संगठन, धर्म या जाति के नाम पर लोगों को भड़का कर शांति भंग करने की कोशिश करते हैं ग्राम प्रहरियों द्वारा उन पर भी नजर रखी जायेगी। ग्राम प्रहरी गांव/ वार्ड में रहने वाले भगोड़े अपराधी जैसे पीओ, बेल जंपर, पैरोल जंपर, मोस्ट वांटेड आदि का भी रिकॉर्ड रखेगे। गांव / वार्ड के आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति जो किसी गैंगवार या आपराधिक संगठन से संबंध रखते है उनका रिकॉर्ड रख उन पर नजर रखेंगे। सोशल मीडिया के माध्यम से सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाले एक्टिव व्यक्ति तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी / ठगी करने वाले मामलों में सम्मिलित व्यक्तियों को चिन्हित करेंगे ताकि उन पर जिला स्तर पर गठित साइबर सेल के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा सके। गांव/वार्ड के ऐसे पक्ष जिनका कोई जमीनी विवाद या किसी अन्य विवाद के कारण पुरानी रंजिश चल रही है। ऐसे पक्षों पर निगरानी रखेंगे ताकि भविष्य में गंभीर लडाई झगडा/संभावित हत्या जैसे अपराधों को घटित होने से रोका जा सके। इसके साथ ही ग्राम/वार्ड प्रहरी

किसी भी कारण से स्कूल छोड़ चुके बच्चों से संपर्क करेंगे और गाँव के मौजिज व्यक्तियों तथा उनके माता-पिता से मिलकर उन्हें फिर से स्कूल में जाने बारे प्रोत्साहित किया जाएगा। प्राय: ऐसे बच्चे ही आपराधिक गैंग के सदस्य बनते हैं। किसी भी क्षेत्र में कोई आपराधिक गतिविधियां होती है या होने की सम्भावना है तो इसकी सूचना तुरंत अपने प्रबन्धक थाना व अपने पर्यवेक्षण अधिकारी को देगे। एसपी ने बताया कि पर्यवेक्षण अधिकारियों द्वारा सभी ग्राम/वार्ड और सहायक प्रहरियों को समय समय पर उनके काम के प्रति ब्रीफ किया जाएगा और साथ ही साथ समय-समय पर उच्च अधिकारियों द्वारा भी इनकी कार्यकुशलता की समीक्षा की जाएगी और उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को प्रोत्साहित कर सम्मानित किया जाएगा तथा काम में ढिलाई बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने से भी परहेज नहीं किया जाएगा।

लोकगीतों के माध्यम से दी सरकार की योजनाओं की जानकारी

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत,सूचना संपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल के निर्देशानुसार तथा उपायुक्त सुशील सारवान के मार्गदर्शन में जिला में विभागीय भजन मंडली ने बुधवार को पसीना कलां तथा नूरपूर मुगलान आदि गावों में बच्चों, महिलाओं व पुरूषों को लोक गीतों के माध्यम से सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।

जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कुलदीप सिंह बांगड़ ने बताया कि विभागीय भजन मंडली द्वारा सरकार की सभी योजनाओं की जानाकारी शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में लोकगीतों के माध्यम से समय-समय पर विस्तार से दी जाती है। उन्होंने बताया कि भजन मंडली द्वारा लोकगीतों व भजनों के माध्यम से बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं, उज्जवला योजना, रोजगार कौशल योजना, आयुष्मान कार्ड, सुक्ष्म सिचांई, महिला समृद्धि, पशु क्रेडिट कार्ड योजना, सौर ऊर्जा, चिरायु कार्ड, बागवानी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि योजनाओं सहित अनेक आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है।

जनकल्याण की भावना हमारी प्राचीन संस्कृति : प्रो. शुचिस्मिता

कुवि के यूआईईटी संस्थान के साप्ताहिक एनएसएस शिविर का हुआ सफल समापन

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरूक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूआईईटी संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा बुधवार को गांव खेडी ब्राह्मणा में संचालित साप्ताहिक शिविर का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि उपस्थित कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर शुचिस्मिता ने कहा कि जनकल्याण की भावना सर्वोपरि होती है तथा भारत वर्ष की जनकल्याण की भावना हमारी प्राचीन संस्कृति में झलकती है। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में लोग आने वाली विपदाओं का एक दूसरे से मिलकर सामना करते थे तथा आधुनिक युग में भी यह परंपरा कायम है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार भारतीय शिक्षा की परम्परा रही है तथा पारिवारिक संस्कार भी भारतीय संस्कृति का हिस्सा है।

प्रो. शुचिस्मिता ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना मानव कल्याण के कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को संवेदनशील बनाती है जिससे वह सामुदायिकता से जुडकर जनकल्याण कार्यों के लिए निस्वार्थ भाव से सेवा करने के लिए तत्पर रहता है। उन्होंने इकबाल की पंक्तियों के माध्यम से उपस्थित युवाओं में जोश भरने का काम किया।

इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डीन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व यूआईईटी संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा ने कहा कि सामाजिक कार्य करने के लिए मनुष्य का हृदय विशाल होना चाहिए। शिक्षा के साथ सामाजिक कार्य करने से युवा पीढी को अपने कर्तव्यों का बोध और अधिकारों के प्रति समझ पैदा होती है। प्रो. ढींगरा ने कहा कि संस्कार हमें विरासत से मिलते हैं और इन्ही संस्कारों के कारण आज हम समाज में व्याप्त बुराइयों को उखाड फेंकने के लिए प्रयासरत हैं। ये संस्कार हमें राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से सामाजिक समरसता की गतिविधियों को बढाने के लिए निरंतर प्रेरित करते रहते हैं।

अवसर पर छात्र तुषार ने कहा कि एनएसएस में कार्य करने से आत्म संयम

और आत्म निरीक्षण करने का बल मिलता है। छात्र पंकज शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना में कार्य करने से युवाओं में देशभक्ति का प्रचार-प्रसार होता है। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों को पौधा भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. राजेश कुमार ने साप्ताहिक शिविर में आयोजित सभी गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. अमिता मित्तल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस मौके पर डॉ. अजय जांगडा, डॉ. अशोक वर्मा, डॉ. हरनेक सैनी, ज्योति, शीशपाल. हरिकेश पपोसा सहित ग्रामवासी व स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने रिलीज की कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की वर्ष 2022 की वार्षिक रिपोर्ट

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बुधवार को विश्वविद्यालय की वर्ष 2022 की वार्षिक रिपोर्ट रिलीज की। विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क विभाग की ओर से तैयार की गई करीब 400 पृष्ठों की इस रिपोर्ट में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, शोध, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में रही उपलब्धियों को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा ने इसके लिए जनसम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. ब्रजेश साहनी, उपनिदेशक डॉ दीपक राय बब्बर व उनकी टीम को बधाई दी। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि वार्षिक रिपोर्ट विश्वविद्यालय में वर्ष भर हुई गतिविधियों का आईना है। हर वर्ष की तरह जनसम्पर्क विभाग व प्रिंटिंग प्रैस के मैनेजर डॉ. एमके मोदगिल की टीम ने इसे निर्धारित समयावधि में तैयार करवाया है।

इस मौके पर केयू कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा, जीजेयू के कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा, केयू के वित्त अधिकारी डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ.एमके मोदगिल, ओएसडी पवन रोहिल्ला, नरेन्द्र निम्मा,प्रूफ रीडर नरेश कुमार, हरीश गौड, अमित भटनागर, विजय कुमार, अर्जुन व संजीव कुमार मौजूद थे।

पुलिस ने फरवरी माह में 4471 चालान कर लगाया 45 लाख का जुर्माना: सुरेंद्र

हेलमेट न पहनने वालों के किए 945 चालान, ओवर स्पीड के किए 241 चालान ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने वालों को किसी भी सूरत में नहीं जाएगा बख्शा

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की सख्ती से पालना करवाने के लिए पुलिस प्रशासन दिन-रात मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है। जिसके फलस्वरूप पुलिस ने फरवरी 2023 में कुल 4471 चालान किए गए और इसके तहत 45 लाख 64 हजार 900 रुपए का जुर्माना भी किया गया। इतना ही नहीं ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने पर 22 स्कूल बसों के भी चालान किए गए है।

पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया ने जानकारी देते हुए कहा कि ट्रैफिक नियमों की पालना करवाने के लिए कुरुक्षेत्र जिले को विभिन्न जोन में विभाजित किया गया जिसमें ईस्ट, वेस्ट और हाईवे शामिल है। इन जोनों में यातायात पुलिस की पीसीआर, राइडर व अन्य यातायात पुलिस दिन-रात कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने कुल 4471 चालान किए है और इन वाहन चालकों पर 45 लाख 64 हजार 900 रुपए का जुर्माना किया है। इन चालान में हेलमेट, सीट बेल्ट और अन्य तरह के चालान शामिल है। उन्होंने कहा कि यातायात पुलिस ने ओवर स्पीड के 241 चालान, बिना हेलमेट के 945 चालान, बिना सीट बेल्ट के 163 चालान, गाड़ी चलाते हुए मोबाइल का प्रयोग करने पर 8 चालान, शराब पीकर गाड़ी चलाने पर 4 चालान, लैन चेंज के 589 चालान किए गए है।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार ट्रिपल राइडिंग 25 चालान, गलत साइड ड्राइविंग के 556 चालान, गलत पार्किंग के 623, रेड लाइट जंप के शून्य चालान, नियमों की पालना ना करने पर स्कूल बसों के 22 चालान, सीसीटीवी कैमरा के 1089 चालान व अन्य 680 चालान किए गए है। इस तरह यातायात पुलिस द्वारा 4471 चालान करके 45 लाख 64 हजार 900 रुपए का जुर्माना लगाया है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि गाड़ी चलाते और पार्किंग करते समय नियमों की पालना करे ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। अगर कोई व्यक्ति ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करेगा तो उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

नेपाल के सब्जी उत्पादकों ने सीखे प्राकृतिक खेती के गुर

गुरुकुल कुरुक्षेत्र में काठमांडु से पहुंचा 52 किसानों का दल आचार्य देवव्रत जी के मॉडल को सराहा

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, पडोसी देश नेपाल में भी अब गुजरात के महामहिम राज्यपाल आचार्य श्री देवव्रत जी के प्राकृतिक कृषि मॉडल की चर्चा हो रही हैं। प्राकृतिक कृषि मॉडल को देखने आज काठमांडु के समीप चित्तवन जिला से 52 किसान एवं सब्जी उत्पादकों का एक दल गुरुकुल कुरुक्षेत्र पहुंचा जहां पर व्यवस्थापक रामनिवास आर्य ने सभी का स्वागत किया। इन किसानों में 6 महिलाएं भी थी जो सब्जी उगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। दल के सभी सदस्यों ने फार्म मैनेजर गुरदीप सिंह के नेतृत्व में गुरुकुल के प्राकृतिक कृषि फार्म का दौरा किया और खासतौर पर मिश्रित सब्जियों की फसलों के बारे में जानकारी हासिल की।

किसानों के दल में आए जनक राजपुरिया ने बताया कि नेपाल में 'केरूंगा ताजा तरकारी एवं फल-फूल' नाम से एक सहकारी संस्था है जिसके ये सभी किसान सदस्य हैं। दल के अधिकतर किसान फल-सब्जी उगाते हैं और उसी पर इनकी आजीविका निर्भर है। फिलहाल सभी रासायनिक खेती कर रहे हैं जो नुकसानदायक होने के साथ महंगी भी है। एक समय में केवल एक फसल होती है, ऐसे में किसान घाटे में जा रहा है। दल में आए दीपक, विपिन, जय बहादुर, मेघनाद आदि ने कहा कि आचार्य देवव्रत जी का प्राकृतिक कृषि मॉडल किसानों के लिए फायदेमंद है। एक ही खेत में एक समय पर दो-तीन फसलें यदि किसान को मिलेगी तो निश्चित रूप से उसे लाभ होगा। उन्होंने बताया कि नेपाल में मुख्य रूप से धान, मक्का और गेंहू की फसलें होती है, साथ ही सीजन के हिसाब से फल-सब्जियों की फसल ली जाती है। यदि मिश्रित फसल ली जाए तो किसान और सब्जी उत्पादक दोनों को लाभ मिलेगा। नेपाल से आए दल को डॉ. हरिओम सहित डॉ. विनोद कुमार, डॉ. रामगोपाल व डॉ. दिनेश ने प्राकृतिक खेती की पूरी ट्रेनिंग के साथ जीवामृत, घनजीवामृत निर्माण का प्रशिक्षण दिया।

अंतर्राष्ट्रीय वक्ता एवं लेखक प्रेम रावत की स्वयं की आवाज पुस्तक का लोकार्पण 2 अप्रैल को लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर स्टेडियम मे

पिस एजुकेशन के रिजनल मैनेजर ने आज दी सैक्टर 5 स्थित राजविधा केंद्र में यह जानकारी

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र

करनाल, पिस एजुकेशन एंव पीआर गतिविधियों के रिजनल मैनेजर तनुज वशिष्ठ ने बताया कि विश्वविख्यात शिक्षक, पुस्तक 'स्वयं की आवाज़' (शोर भरी इस दुनिया में शांति कैसे पाएं) के लेखक एवं मानवतावादी प्रेम रावत 2 अप्रैल को स्वयं की आवाज पुस्तक का हिंदी लोकार्पण लखनऊ के रमाबाई अम्बेडकर स्टेडियम में लाखो श्रोताओं की उपस्थित मे करेगे। इससे पहले भी उन्होंने इस पुस्तक का अग्रेजी संस्करण हियर योरसेल्फ नामक पुस्तक लिखी ।जो अमेरिका मे रिलीज होते ही न्यूयॉर्क टाइम्स बेस्ट श्रेणी में आ गई। श्री.वशिष्ठ ने वीरवार को सैक्टर 5 स्थित राजविधा केंद्र में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि श्री प्रेम रावत का.कहना है कि कि''मनुष्य को भय, क्रोध और चिंता से मुक्त जीवन जीना चाहिए।' वे दुनिया भर के अपने श्रोताओं को प्रेरित करते हुए कहते हैं कि 'हर कोई अपने जीवन में व्याप्त शोर को शांत कर हृदय में मौजूद सच्ची और अनोखी आवाज सुन सकता है जो उसके अंदर मौजूद शांति का स्रोत है।'

उन्होंने कहा कि प्रेम रावत जी कि स्वयं की आवाज' पुस्तक पाठकों को आत्मज्ञान और शांति के बारे में प्रेरित करती है। इस किताब में कहानियों और दुनिया भर में की गई अपनी यात्राओं के अनुभव को प्रेम रावत ने बेहद दिलचस्प तरीके से संजोया है। वे कहते हैं कि''कौन जानता है कि हमारे पास कितना समय है ? हर दिन हमें जीवन का शानदार उपहार मिलता है। यह बहुत जरूरी है कि जितना हो सके, हम हर पल को बेहतर तरीके से

जीएं। जब ऐसा होता है तो मानो जैसे जीवन अपनी सुंदरता के साथ खिल उठता है।'' उन्होंने कहा कि प्रेम रावत जी अपने संबोधन में बताते हैं कि''कैसे हम सुन सकते हैं शांति के उस गीत को जो हम सबके अंदर गाया जा रहा है, ताकि हम भी महसूस कर सकें इस जीवन के चमत्कार को और वह सबकुछ जो इसमें है।

उन्होंने बताया कि प्रेम रावत की पुस्तक 'स्वयं की आवाज' हार्पर कॉलिन्स द्वारा प्रकाशित की गई है।उन्होंने बताया कि सन् 1957 में भारत में जन्में प्रेम रावत एक लोकप्रिय शिक्षक, बेस्टसेलिंग लेखक और मानवतावादी हैं। पिछले 50 वर्षों से भी अधिक समय से वे संपूर्ण विश्व के लोगों को अपने अंदर जुड़कर सर्वश्रेष्ठ जीवन जीने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कभी एक विलक्षण युवा तो कभी 70 के दशक के 'टीन एज आइकॉन' से लेकर विश्व शांति दूत तक, प्रेम रावत ने लाखों लोगों को जीवन के प्रति स्पष्टता, प्रेरणा और गहरी समझ दी है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि प्रेम रावत जी प्रेम रावत फाउंडेशन के संस्थापक हैं जो विश्व भर में प्राकृतिक आपदाओं और मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं में सहयोग के लिए प्रयासरत है ताकि लोग शांति, आत्म-सम्मान और सम्पन्नता के साथ जीवन जी सकें।

प्रेम जीवन के सभी क्षेत्र के लोगों के साथ मिलकर कार्य करते हैं और उन्हें बताते हैं कि कैसे वे अपने अंदर बसी शांति का अनुभव कर सकते हैं। उनके विश्वस्तरीय प्रयास 100 से भी अधिक देशों में किये गये हैं जो लोगों को आशा, आनंद और शांति का व्यावहारिक संदेश देते हैं।

प्रेम रावत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाले बेस्ट सेलिंग लेखक हैं जिन्होंने ''शांति संभव है' जैसी किताबें लिखी हैं। प्रेम एक पायलट भी हैं जिन्हें 14,500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव प्राप्त है। इसके अलावा वे एक फोटोग्राफर और पुरानी कारों को ठीक करने का शौक भी रखते हैं। वे एक पारिवारिक व्यक्ति हैं।

उन्होंने.टाइमलेस टुडे के बारे में बताया कि यह एक मल्टी-मीडिया कंपनी है। यह मोबाइल आधारित सब्सक्रिप्शन ऐप के माध्यम से, समय की सीमा से परे, एक विलक्षण संदेश लोगों तक पहुंचा रही है। यह ऐसी उत्कृष्ट सामग्री उपलब्ध कराती है जो स्वयं को जानने और व्यक्तिगत शांति की खोज में रूचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति को प्रेरित और मार्गदर्शन कर सकती है।

कांग्रेस पार्टी ही ला सकती देश में बदलाव : डॉ कपूर

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

चंडीगढ़ । आम आदमी पार्टी को छोड़कर चंडीगढ़ में कांग्रेस ज्वाइन करने वाले डा. कपूर सिंह की जनता में अच्छी पकड़ है। पिछले दिनों चडीगढ में आयोजित समारोह में उनके कांग्रेस में शामिल होने पर पार्टी को बड़ी मजबूती मिली है।

चंडीगढ़ में रविवार पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में विपक्ष ने नेता भूपेंद्र सिंह हुडा, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने डॉ कपूर सिंह को कांग्रेस पार्टी ज्वाइन करवाई। डॉ कपूर सिंह कई सालों से राजनीति में सक्रिय हैं। उनका हरियाणा की विभिन्न एस.सी विधानसभा सीटों पर प्रभाव हैं। उन्होंने कहा की कहा कि लोग बढती महंगाई बेरोजगारी से परेशान हैं। देश में नफरतें फैल रही हैं। इसी कारण लोग प्रदेश में बदलाव चाहते हैं।

जो सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही ला सकती हैं। पिछले बीते वर्ष भारत जोड़ो यात्रा के द्वारा देश में एकता और भाई चारे का संदेश देने के लिए करीब 4 हजार किलोमीटर की पदयात्रा की है। उन्होंने यात्रा के द्वारा भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों को देश की जनता के सामने रखा।

जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में इस समय हजारों करोड रुपए के प्रोजेक्ट चल रहे हैं : शिक्षा मंत्री कंवरपाल

सरकार द्वारा जगाधरी शहर में लगभग हर कॉलोनी में विकास कार्य प्रमुखता से करवाए जा रहे हैं

शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने जगाधरी कार्यालय पर सुनी जनता की समस्याएं

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, हरियाणा सरकार में शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने जगाधरी स्थित कार्यालय पर आम जनता की समस्याओं को सुना व फोन के माध्यम से अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर समस्याओं का समाधान किया।

उन्होने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने किसान भाईयों को राहत प्रदान करते हुए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल 1 हफ्ते के लिए दोबारा खोल दिया है, जिन किसान भाईयों की फसल ओलावृष्टि और बारिश की वजह से खराब हो गई है वह मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराकर क्षतिपूर्ति पोर्टल पर भी अपना रजिस्ट्रेशन करा कर इसकी सूचना सरकार को कर दें। उन्होने कहा कि यमुनानगर की अधिकांश पंचायतों ने ई-टैंडरिंग के प्रस्ताव सरकार के पास भेज दिए हैं। यह विकास कार्य शुरू होते ही सभी गांवों में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। हरियाणा सरकार ने सभी गांवों में आबादी के हिसाब से सीधी ग्रांट ग्राम पंचायतों के खाते में भेज दी है ऐसा हरियाणा में प्रथम बार हो रहा है।

उन्होने कहा कि जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में इस समय हजारों करोड रुपए के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। जिसमें मुख्य रुप से कैल बायपास से गांव पंजेटो से गांव ऊर्जनी होते हुए ताजेवाला तक बनने वाला नेशनल हाईवे प्रमुख है। यह नेशनल हाईवे बनने से इस पूरे क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे व क्षेत्र में दो-दो नेशनल हाईवे होने से यातायात का दबाव कम होगा व जगाधरी क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी। उन्होने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने जगाधरी विधानसभा क्षेत्र की सड़कों के लिए 25 करोड रूपये मंजूर कर दिए हैं जिनसे सड़कों का सुधारीकरण का कार्य किया जा रहा है। आने वाले कुछ ही समय में सभी सड़कों पर कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में गुंडे बदमाशों की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा रहा है। जगाधरी शहर में इस समय लगभग हर कॉलोनी में विकास कार्य प्रमुखता से करवाए जा रहे हैं।

शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने बताया कि जगाधरी शहर के विकास कार्यों के लिए जल्दी ही कई योजनाओं की शुरुआत की जाएंगी इस दौरान भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष निश्चल चौधरी, कुलदीप राणा मांडखेडी, कैप्टन दिनेश शर्मा, हरमहींदर सिंह सेठी, परदुमन सिंह लाड्डी, अजय मंगला टोनी, वरूण बतरा, शुभम गर्ग, राजेश भारद्वाज, जंगशेर गनौली, मैहमा सिंह संखेडा, भाजपा जिला मीडिया प्रमूख कपिल मनीष गर्ग साथ रहे।

थाना प्रभारी गांधीनगर व जांच अधिकारी एएसआई संजीव कुमार को रिश्वत लेने के मामले में किया गिरफ्तार

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर,पुलिस अधीक्षक मोहित हाण्डा ने आज पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि गांधीनगर थाना प्रभारी सुभाष चंद्र व जांच अधिकारी एएसआइ संजीव कुमार पर रिश्वत लेने के मामले में जांच के बाद केस दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि सुभाष चंद्र व संजीव कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया गया है। आगे तफ्तीश एएसपी जसलीन कौर द्वारा की जा रही है। इस केस में किसी और भी संलिप्ता होगी तो उस पर भी कार्रवाई होगी। किसी भी तरह के काम के लिए रिश्वत मांगना कानूनन अपराध है। जो भी इस तरह के कृत्य में शामिल होगा। उस पर निश्चित कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 30 अगस्त 2022 को चांदपुर निवासी आशिक, उसके भाई आशिफ, पिता आरिफ व एक अन्य जाहिद के खिलाफ छीनाझपटी, मारपीट व धमकी देने का केस गांधीनगर थाना में केस दर्ज हुआ था। इस केस में ही धारा कम करने के नाम पर आशिक से गांधीनगर थाना प्रभारी सुभाष चंद्र व जांच अधिकारी संजीव कुमार पर दो लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप लगे। आशिक का आरोप है कि उनके खिलाफ झूठा मुकदमा बिना तफ्तीश किए दर्ज किया गया।

इस केस में आशिक को अग्रिम जमानत हाई कोर्ट से मिल गई थी। जबकि उसके पिता की जमानत जगाधरी में सेशन जज शालिनी नागपाल की कोर्ट से हुई थी। 25 नवंबर को वह अपने साथी ससौली निवासी विकास कुमार के साथ जांच अधिकारी संजीव कुमार से मिले और केस की सही तफ्तीश करने के लिए अनुरोध किया था। जिस पर जांच अधिकारी ने उसे कहा कि उसके पिता आरिफ का नाम निकाल दिया जाएगा। 379 बी धारा की जगह 379 कर दी जाएगी। इसके लिए थाना प्रभारी सुभाष चंद्र से मिलवाया। जांच अधिकारी व थाना प्रभारी ने दो लाख रुपये की मांग की। जिस पर दो दिसंबर को उन्हें दो लाख रुपये दे दिए। उनका आरोप था कि उनके पिता का नाम केस नहीं निकाला गया और न ही धारा बदली। थाना प्रभारी व जांच अधिकारी से पैसे वापस मांगे तो उन्होंने पैसे भी वापस नहीं किए और कहा कि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकती। दोनों को अदालत में पेश कर 1 दिन के रिमांड पर लिया गया।

कुवि में संचालित विश्वविद्यालय स्तर के साप्ताहिक एनएसएस शिविर में पांचवे दिन एनएसएस की महत्ता के बारे में बताया

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय स्तर के सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के पांचवें दिन की शुरुआत स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया। शिविर के प्रथम सत्र में डॉ अशोक चौधरी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवकों को एनएसएस के महत्व से अवगत कराया और विद्यार्थी जीवन में एनएसएस की अहम भूमिका के बारे में अवगत बताया। उन्होंने कहा कि हम एनएसएस में रहकर अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं।

दूसरे सत्र में युवा सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक डॉ. महासिंह पूनिया ने जिंदगी जीने की कला के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमें जिंदगी जीने के लिए जिज्ञासावान होना जरूरी है तभी हम अपनी जिंदगी आसानी से जी सकते हैं। उन्होंन कहा कि अपनी आने वाली पीढी को कला एवं संस्कृति से जोडना जरूरी है इसलिए वर्तमान में हमें अपने संस्कृति, संस्कार एवं सभ्यता के बचाव एवं संरक्षण करने की आवश्यकता है ताकि आने वाली पीढी को सांस्कृतिक धरोहर से जोडा जा सकता है। उन्होंने कहा कि मोबाइल के प्रति जुडाव हमारे युवाओं के लिए हानिकारक है। हमारे भारतवर्ष में सांस्कृतिक विविधता और एकता हमारे देश की एकता एवं अखंडता अखंडता का प्रतीक है। हमें अपनी सांस्कृतिक धरोहर एवं विरासत को बचाना चाहिए और यही सोच लेकर हमें आगे बढना चाहिए। इसके साथ ही स्वयं सेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम मोनो एक्टिंग एवं स्किट कार्यक्रम में बहुत ही बढ चढकर हिस्सा लिया। इस मौके पर सभी वक्ताओं का राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. आनंद कुमार ने स्वागत किया एवं सह समन्वयक डॉ. नीरज बातिश ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संदीप, डॉ. वीर विकास, डॉ. कविता, डॉ. अजायब सिंह, डॉ. सिद्धांत, डॉ. अशोक, डॉ. प्रवीण, डॉ. रिचा, डॉ. सोनिया, डॉ. रिंकू, डॉ. वंदना सैनी और डॉ रेणुका के साथ विभिन्न महाविद्यालय से आए विद्यार्थी मौजूद रहे।

211 ग्राम चरस सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, सीआईए वन की टीम ने गश्त के दौरान मिली गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए नारायणा नहर पुल के पास से एक नशा तस्कर को 211 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान गुरूबचन पुत्र सतबीर निवासी पांची जाट्टान सोनीपत के रूप में हुई।

सीआईए वन प्रभारी इंस्पेक्टर राजपाल सिंह ने बताया कि पूछताछ में आरोपी से खुलासा हुआ वह नशा करने का आदी है। नशा करने के लिए उसने दो दिन पहले गन्नौर में ढाबे के नजदीक एक अज्ञात ट्रक ड्राईवर से 250 ग्राम चरस कम कीमत पर खरीदी थी। जिसमें से 15 ग्राम चरस उसने सेवन कर ली व 25 ग्राम चरस अज्ञात नशा करने वाले युवक को बेच दी। बची हुई चरस को बेचने के लिए सोमवार को वह नारायणा नहर पुल के पास ग्राहक की फिराक में घूम रहा था। पुलिस टीम ने चरस सहित उसे गिरफ्तार कर लिया।

सीआईए वन प्रभारी इंस्पेक्टर राजपाल सिंह ने बताया कि सोमवार को उनकी टीम गश्त के दौरान थान समालखा क्षेत्र के अंतर्गत जीटी रोड पर गांव पट्टीकल्याणा के पास मौजूद थी। टीम को इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि सोनीपत के गांव पांची जाट्टान निवासी गुरूबचन मादक पदार्थ लेकर नारायणा नहर पुल के पास खडा है। गुरूबचन मादक पदार्थ को बेचने की फिरार में है। पुलिस टीम ने सूचना को पुख्ता मानकर तुरंत मौके पर दंबिस देकर आरोपी युवक को काबू कर पूछताछ की तो उसने अपनी पहचान गुरूबचन पुत्र सतबीर निवासी पांची जाट्टान सोनीपत के रूप में बताई। पुलिस टीम ने नियमानुसार ड्यूटी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में तलाशी ली तो आरोपी की पहनी हुई पेंट की जेब से चरस बरामद हुई। बरामद चरस का वजन करने पर 211 ग्राम पाया गया।

इंस्पेक्टर राजपाल सिंह ने बताया कि बरामद चरस को कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी गुरूबचन के खिलाफ थाना समालखा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गहनता से पूछताछ करने के बाद पुलिस टीम ने आरोपी को आज माननीय न्यायालय में पेश किया जहा से उसे न्यायिक हिरासत जेल भेजा गया।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311